मार्गशीर्ष शुक्ल - 6 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 19 ▪ अंक - 143 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 18-12-2023 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 अर्शदीप सिंह और आवेश खान की आंधी में उड़ा दक्षिण अफ्रीका
6 वसुंधरा ने कैसे किया सरेंडर?
7 अवैध प्रवासन से यूरोप के प्रभावित होने का खतरा : सुनक

विकसित भारत संकल्प यात्रा मेरे लिए भी कसौटी और परीक्षा है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी (उप्र)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि 'गरीबी हटाओ' का नारा अलग बात है लेकिन अब देश के गरीब यह कहते हैं कि उनके घर में रसोई गैस का सिलिंडर आने के बाद अमीर और गरीब का भेद मिट गया है। उन्होंने 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' को किसी राजनीतिक पार्टी का नहीं बल्कि देश का काम करार दिया और कहा कि यह यात्रा सरकार द्वारा चलायी जा रही परियोजनाओं को लेकर जनता की प्रतिक्रिया जानने का अवसर है। उनका कहना था कि यह यात्रा खुद उनके लिए भी एक कसौटी और परीक्षा है कि जो उन्होंने कहा था वह वास्तव में जनता तक पहुंच भी रहा है या नहीं।

अपने निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे मोदी ने विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को संबोधित करते हुए कांग्रेस के 'गरीबी हटाओ' के नारे का जिक्र करते हुए कहा, गरीबी हटाओ का नारा तो अलग बात है लेकिन अभी एक बहन ने कहा कि गरीब और अमीर का भेद मिट गया है। जब एक गरीब कहता है कि मेरे घर में गैस का चूल्हा आते ही गरीबी और अमीरी का भेद खत्म हो गया है। उस संतोष की बात ही कुछ और है।

संसद की सुरक्षा में सेंध काफी गंभीर मामला : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि संसद की सुरक्षा में सेंध काफी गंभीर मामला है और विपक्ष को इस मामले को लेकर विवाद नहीं खड़ा करना चाहिए। मोदी ने हिंदी समाचार पत्र 'दैनिक जागरण' से साक्षात्कार के दौरान कहा कि जांच एजेंसियां इस मामले की जांच कर रही हैं और कड़े कदम उठा रही हैं। उन्होंने कहा कि इस हमले में शामिल लोगों और उनके मकसद की गहराई तक पहुंचना भी उतना ही जरूरी है। समाचार पत्र के अनुसार, मोदी ने सुरक्षा में सेंध की इस घटना को पीड़ादायक और चिंताजनक बताया। उन्होंने कहा, सभी को एक साथ समाधान खोजने का प्रयास करना चाहिए। ऐसे मुद्दे पर वाद-विवाद या प्रतिरोध से सभी को बचना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा, संसद में जो घटना हुई उसकी गंभीरता को कम करके नहीं आंका जा सकता। उन्होंने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष इस मामले को लेकर पूरी गंभीरता के साथ आवश्यक कदम उठा रहे हैं।

तेरह दिसंबर को लोकसभा की कार्यवाही के दौरान दर्शक दीर्घा से दो लोग सदन के अंदर कूद गए थे। विपक्षी दल गृह मंत्री अमित शाह से इस मामले पर बयान देने की मांग कर रहे हैं, कुछ नेताओं ने शाह के इस्तीफे की भी मांग की है।

सूरत हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का किया उद्घाटन

सूरत (गुजरात)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात में सूरत हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का रविवार को उद्घाटन किया। हवाई अड्डे के नए एकीकृत टर्मिनल भवन में व्यस्त समय के दौरान 1,200 घरेलू यात्रियों और 600 अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को संभालने की क्षमता है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इसमें व्यस्त समय के दौरान अपनी क्षमता को 3,000 यात्रियों तक बढ़ाने की व्यवस्था है। इसके साथ ही इस हवाई अड्डे की यात्रियों को संभालने की वार्षिक क्षमता बढ़कर अब 55 लाख यात्रियों तक हो गई है। टर्मिनल भवन को स्थानीय संस्कृति और विरासत के अनुरूप डिजाइन किया गया है।

भारत ने आकाश मिसाइल प्रणाली की क्षमता का प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

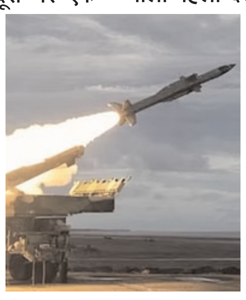

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने 25 किलोमीटर की दूरी पर एक साथ चार हवाई लक्ष्यों को निशाना बनाने की आकाश मिसाइल प्रणाली की क्षमता का प्रदर्शन किया। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने रविवार को यह जानकारी दी।

डीआरडीओ ने कहा कि भारत एकल फायरिंग इकाई का उपयोग करके ऐसी क्षमता रखने वाला पहला देश बन गया है।

डीआरडीओ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भारत एकल फायरिंग इकाई का उपयोग करके कमांड मार्गदर्शन द्वारा 25 किमी की दूरी पर एक साथ चार हवाई लक्ष्यों को भेदने की क्षमता प्रदर्शित करने वाला पहला देश बन गया। परीक्षण आईएएफ-एमसीसी द्वारा आकाश हथियार प्रणाली का उपयोग करके आयोजित किया गया था।

यह जानकारी दी गई कि घरेलू मिसाइल प्रणाली की क्षमता को 12 दिसंबर को 'अस्त्रशक्ति' सैन्य अभ्यास में प्रदर्शित किया गया था।

यह सैन्य अभ्यास भारतीय वायुसेना द्वारा आयोजित किया गया था।

सामाजिक जागरूकता एक सतत प्रक्रिया है : मोहन भागवत

सांगली (महाराष्ट्र)/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि सामाजिक जागरूकता एक सतत प्रक्रिया है जो मौजूदा परिस्थितियों के अनुसार बदलती रहती है। यहां लोकमान्य तिलक स्मारक मंदिर के शताब्दी वर्ष का आरंभ करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि जैसे-जैसे समाज विकसित हो रहा है संवाद जारी रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान सामाजिक और राजनीतिक जागरूकता की आवश्यकता पर काफी चर्चा हुई और इस पर काम किया गया। उन्होंने कहा कि लोकमान्य तिलक ने जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, तिलक की यह घोषणा कि 'स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूंगा, समाज को यह बताने का माध्यम था कि 'संघर्ष से भागो मत, हार मत मानो और अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए काम करो।

फर्स्ट टेक

गुरु तेग बहादुर साहस, ताकत के प्रतीक : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिखों के नौवें गुरु गुरु तेग बहादुर की शहादत दिवस पर उन्हें रविवार को श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि एकता तथा धार्मिकता पर जोर देने वाली उनकी शिक्षाएं भाईचारे तथा शांति की राह में हमारा मार्ग प्रशस्त करती हैं। मुगल शासक औरंगजेब के आदेश पर गुरु तेग बहादुर को मौत की सजा दी गई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा,आज के दिन को हम श्री गुरु तेग बहादुर जी की शहादत के रूप में याद करते हैं जो साहस और ताकत के प्रतीक हैं। स्वतंत्रता और मानवीय गरिमा के लिए उनका अद्वितीय बलिदान अमिट है और मनुष्यों को अखंडता तथा करुणा के साथ जीने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा, एकता और धार्मिकता पर जोर देने वाली उनकी शिक्षाएं भाईचारे और शांति की खोज में हमारा मार्ग प्रशस्त करती हैं।

अर्जेंटीना में भीषण तूफान

ब्यूनस आयर्स/वार्ता। अर्जेंटीना के बंदरगाह शहर बाहिया ब्लैंका में स्थित अटलांटिक तट पर आए तेज तूफान के कारण करीब 13 लोगों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। मेयर कार्यालय के सूत्रों के अनुसार, भारी वर्षा और हवा के कारण एक स्पोर्ट्स क्लब की छत गिर गई, जहां स्केटिंग प्रतियोगिता हो रही थी। नगर पालिका ने एक बयान में कहा, आपातकालीन सेवा ने बाहिएन्से डेल नॉर्ट क्लब में 13 लोगों की मौत की पुष्टि की है।' निवासियों को आज सुबह तक अपने घरों के अंदर रहने की सलाह दी गई थी। शहर में 140 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक रफ्तार से हवाएं चलीं । शहर के कुछ हिस्सों ने बिजली आपूर्ति ठप है।

अमेरिका ने उत्तर कोरिया को दी चेतावनी

वाशिंगटन/वार्ता। अमेरिका ने उत्तर कोरिया को चेतावनी दोहराते हुए कहा है कि अमेरिका पर किसी भी परमाणु हमले का परिणाम 'किम शासन का अंत' होगा। बीबीसी के अनुसार अमेरिकी प्रशासन की ओर से रविवार को जारी एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गयी। अमेरिकी-दक्षिण कोरियाई परमाणु सलाहकार समूह के एक संयुक्त बयान में यह भी पुष्टि की गई कि दक्षिण कोरिया पर प्योंगयांग के किसी भी परमाणु हमले का 'तीव्र, जबरदस्त और निर्णायक जवाब दिया जाएगा।' अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अप्रैल में इसी तरह की, कड़े शब्दों में चेतावनी जारी करते हुए कहा था कि उत्तर कोरिया के किसी भी परमाणु हमले से उसका 'अंत' हो जाएगा। पांच महीने पहले, अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने चेतावनी दी थी कि अमेरिका या उसके सहयोगियों के खिलाफ उत्तर कोरिया द्वारा किसी भी परमाणु हमले का मतलब किम शासन का अंत होगा।

18-12-2023 सूर्यास्त 5:57 बजे | 19-12-2023 सूर्योदय 6:35 बजे

BSE	NSE
71,483.75	21,456.65
(+969.55)	(+273.95)

सोना	चांदी
6,565 रु.	79,730 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

हम जल, थल, नभ और पाताल में भी अपने लोगों की रक्षा में सक्षम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रावस्ती (उप्र)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सदस्य सुधांशु त्रिवेदी ने यहां कहा कि देश जल, थल, नभ और पाताल में भी अपने लोगों की रक्षा करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा, हमारा देश सीमा पार आतंकवादियों को मार कर देश को सुरक्षित करता है तो देश के अंदर सुरंग में फंसे अपने 41 नागरिकों को भी सुरक्षित बचा कर लाता है।

त्रिवेदी ने सिलक्यारा सुरंग से सकुशल वापस लौटे श्रावस्ती जिला निवासी छह श्रमिकों तथा उनके बचाव में लगाए गए राज्य समन्वयक को उनके साहस के लिए शनिवार को यहां सम्मानित किया।

केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के तहत आयोजित चौपाल के मुख्य अतिथि के तौर पर त्रिवेदी शनिवार को जिले में नेपाल सीमा से सटे सिरसिया क्षेत्र के बभनी गांव पहुंचे थे।

त्रिवेदी ने इस अवसर पर कहा, अब हम जल, थल, नभ और पाताल में भी अपने लोगों की रक्षा में सक्षम हैं। हमारा देश सीमा पार आतंकवादियों को मार कर देश को सुरक्षित करता है और देश के अंदर सुरंग में फंसे अपने 41 नागरिकों को भी सुरक्षित बचा कर लाता है।

गौरतलब है कि उत्तराखंड के उत्तरकाशी में बन रही सिलक्यारा सुरंग में काम कर रहे 41 मजदूर बीते माह सुरंग धंसने से मलबे के पीछे फंस गए थे। इन 41 में से छह श्रमिक सत्यदेव, अंकित, राम मिलन, संतोष, जय प्रकाश व रामसुंदर श्रावस्ती के मोतीपुर कलां गांव के हैं। केन्द्र एवं राज्य सरकार ने सफल राहत व बचाव अभियान चलाकर सभी 41 श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकाला था।

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तरकाशी भेजे गए राज्य समन्वयक अरुण मिश्र ने राज्य के सभी मजदूरों और उनके परिवारों के बीच समन्वय स्थापित किया और उन्हें हिम्मत बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

इजरायल में बंधकों को छुड़ाने को लेकर दबाव बढ़ा, गाजा पर हमलों में तेजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तेल अवीव/वार्ता। इजरायल में सात अक्टूबर के हमलों के दो महीने बीत जाने के बाद भी क्षेत्र में बंधकों की रिहाई सुनिश्चित न होने के बढ़ते दवाब के बीच रविवार को गाजा पट्टी पर ताजा हमले किए गये।

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को शनिवार को बंधकों के रिश्तेदारों के विरोध का सामना करना पड़ा , जिन्होंने सेना द्वारा गाजा में तीन बंदियों को गलती से मारने की बात स्वीकार करने के बाद उनकी स्वतंत्रता को सुरक्षित करने के लिए तत्काल समझौते की मांग की।

बंधक बनाये गये हैम पेरी की बेटी नोम पेरी ने विरोध प्रदर्शन में कहा, हमें ध्यान में रखें और अब (बातचीत के लिए) एक योजना बनाएं।

इस बीच नेतन्याहू ने शनिवार को अपने युद्ध प्रयास को दोगुना करते हुए तीन बंधकों की मौत के बारे में संवाददाताओं से कहा इसने मेरा दिल तोड़ दिया। इसने पूरे देश का दिल तोड़ दिया। गहरे दुख के साथ मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि अपहृत की वापसी और हमारे दुश्मनों पर जीत हासिल करने के लिए सैन्य दबाव आवश्यक है।

रविवार को गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार केंद्रीय शहर दीर अल-बलाह पर इजरायली हमलों में कम से कम 12 लोग मारे गए। चश्मदीदों ने गाजा पट्टी के दूसरे शहर खान यूनिस के पूर्व में बानी सुहैला की दक्षिणी नगर पालिका पर इजरायली हवाई और तोपखाने हमलों की भी सूचना दी।

इससे पहले कतर ने शनिवार को एक बयान में, मानवीय विराम को नवीनीकृत करने के लिए चल रहे राजनयिक प्रयासों की पुष्टि की। लेकिन हमास ने टेलीग्राम पर कहा कि वह जब तक हमारे लोगों के खिलाफ आक्रामकता पूरी तरह से बंद नहीं हो जाती तब तक कैदियों की अदला-बदली के लिए किसी भी बातचीत के खिलाफ है।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

शस्त्र-दौड़

सब क्रेता प्रबल आयुधों के,
है सबल सभी का शस्त्रागार।
हिंसक फिर ना होगा कैसे,
जन-मन का नैतिक व्यवहार।
दुश्मन को भयभीत करे सब,
वो भी करते रहते वार।
धर्म अहिंसा सिर्फ किताबी,
कड़वा सच कर लें स्वीकार।।

|| SRI HARI ||

With profound grief it is informed that our beloved

SMT. VINOD KUMARI GOYAL

W/o. SUBHASH CHANDER GOYAL

has left for her Heavenly abode on 8th December 2023.

RASAM - PAGRI

Monday, 18th December 2023

PRASAD : 1p.m.onwards
RASAM PAGRI : 4p.m. onwards

Address : 579, Goura kutir, J.P. Nagar 1 Phase, 14th Cross, 25th Main, Bengaluru 560078.

In Grief:

Rajender - Saroj Goyal
Satish - Pinky Goyal
Krishan - Pramila Goyal
Naresh - Asha Gioyal
Ankur - Preeti Goyal
Mayank - Shikha Singhal
Anil - Archana Goyal
Vikas - Roop Goyal

Digital Circuits Pvt. Ltd.
Motiram Goyal & Sons
9845011981, 9845744081

जमानत के मामले लोगों की स्वतंत्रता से संबंधित, अदालतों को जल्द सूचीबद्ध करना चाहिए : उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सभी उच्च न्यायालयों से जमानत और अग्रिम जमानत अर्जियों को शीघ्रता से सूचीबद्ध करने और उनका निपटारा सुनिश्चित करने को कहा है, क्योंकि यह व्यक्तियों की स्वतंत्रता से संबंधित है।

धोखाधड़ी और जालसाजी के एक मामले पर सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति सी टी रवि कुमार और संजय कुमार की पीठ ने एक हालिया आदेश में कहा, इस अदालत ने व्यवस्था दी है और दोहराया है कि अग्रिम जमानत अर्जियों, जमानत अर्जियों पर निर्णय स्वतंत्रता से संबंधित हैं। इसलिए, शीघ्रता से सुनवाई कर इसका निपटारा किया जाए। पीठ ने कहा कि 2022 में शीर्ष अदालत ने यही दृष्टिकोण दोहराया था और जमानत अर्जियों को स्वीकार करने और उसके बाद उन पर अनावश्यक रूप से फैसले टालने की प्रवृत्ति की आलोचना की थी।

पीठ ने 11 दिसंबर के अपने आदेश में कहा, विभिन्न अदालतों में उक्त स्थिति की पुनरावृत्ति के मद्देनजर, रजिस्ट्री इस आदेश की एक प्रति रजिस्ट्रार जनरल और सभी उच्च न्यायालयों के सभी संबंधित पक्षों को भेजेगी ताकि जल्द से जल्द जमानत अर्जियों, अग्रिम जमानत अर्जियों को सूचीबद्ध किया जा सके।

धोखाधड़ी और जालसाजी के एक मामले पर सुनवाई करते हुए पीठ ने कहा कि मौजूदा मामले से इस मुद्दे पर इस न्यायालय की बार-बार की घोषणाओं के बावजूद ऐसी स्थिति की पुनरावृत्ति का पता चलता है। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के एक आदेश के बाद यह मामला शीर्ष अदालत पहुंचा।

पीठ ने कहा कि छह दिसंबर, 2023 को इस मामले को उच्च न्यायालय की एक पीठ ने विचार के लिए सूचीबद्ध किया था और याचिकाकर्ता को सुनने के बाद इसे स्वीकार कर लिया गया था और केस डायरी मांगी गई थी।

पीठ ने कहा, आदेश से पता चलता है कि मामले को विशेष रूप से किसी भी तारीख पर सूचीबद्ध नहीं किया गया। आदेश दिया गया था कि मामले को उसके कालक्रम में सूचीबद्ध किया जाए। ऐसे में मामले को आगे विचार के लिए अदालत के समक्ष कब रखा जाएगा, यह एक अनुमान के अलावा और कुछ नहीं है।

पीठ ने कहा, हमें यह मानने में कोई झिझक नहीं है कि इस तरह का आदेश अग्रिम जमानत, नियमित जमानत से संबंधित मामले में निश्चितता के बिना, वह भी मामले को स्वीकार करने के बाद, निश्चित रूप से अर्जी पर विचार करने में देरी करेगा और किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए ऐसी स्थिति हानिकारक होगी।

शीर्ष अदालत ने कहा कि वह ऐसे पहलुओं को ध्यान में रख रही है जिस पर इस न्यायालय ने कहा था कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता से संबंधित मामलों पर जल्द से जल्द सुनवाई और निर्णय लिया जाएगा। पीठ ने कहा, यह चिंता की बात है कि बार-बार आदेश देने के बावजूद वही स्थिति बनी हुई है।

शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय की एकल न्यायाधीश पीठ से लंबित अग्रिम जमानत अर्जियों को कानून के अनुसार, शीघ्रता से और मुख्यत: उच्चतम न्यायालय के आदेश की प्राप्ति से चार सप्ताह की अवधि के भीतर निपटारा करने को कहा।

मराठा समुदाय 23 दिसंबर को अपनी अगली कार्ययोजना का खाका तैयार करेगा : मनोज जरांगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जालना (महाराष्ट्र)/भाषा। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने रविवार को कहा कि यदि महाराष्ट्र सरकार उनकी आरक्षण की मांग को पूरा करने में विफल रहती है, तो समुदाय बीड में 23 दिसंबर को होने वाली बैठक में अपनी अगली कार्रवाई की रूपरेखा तैयार करेगा। जालना जिले के अंतरवाली सरती गांव में एक बैठक के दौरान जरांगे ने पत्रकारों से कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे 18 दिसंबर को विधानसभा में एक बयान दे सकते हैं।

आरक्षण कार्यकर्ता ने दावा किया कि राज्य के मंत्री उदय सामंत ने उन्हें फोन करके आश्वासन दिया कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री आरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा सरकार ने अधिनियम पारित करने के लिए एक महीने का समय मांगा था, लेकिन अगर वह अनुपालन करने में विफल रहती है तो अगली रणनीति 23 दिसंबर को बीड में तय की जाएगी। जरांगे ने घोषणा की कि अगर सरकार आरक्षण की मांग पूरी करने में विफल रही तो आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने सरकार से मराठा समुदाय को ओबीसी श्रेणी में शामिल करने के लिए कुनबी प्रमाणपत्र जारी करने और तदनुसार कानून पारित करने का आग्रह किया।

रिलायंस संपत्ति निर्माण में अव्वल, अडाणी एंटरप्राइजेज ने भी दिया तगड़ा मुनाफा: अध्ययन

नई दिल्ली/भाषा। रिलायंस इंडस्ट्रीज लि.2018 से 2023 तक पांच साल के दौरान संपत्ति निर्माण के लिहाज से अव्वल रही है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के एक अध्ययन के अनुसार अडाणी एंटरप्राइजेज ने भी निवेशकों को तगड़ा मुनाफा दिया। कंपनियों के शेयर बाजार में प्रदर्शन पर आधारित इस अध्ययन में कहा गया कि रिलायंस लगातार पांचवीं बार संपत्ति निर्माण में अव्वल रही। कंपनी ने 2018-23 के बीच 9,63,800 करोड़ रुपए की संपत्ति जोड़ी। इसके बाद टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (6,77,400 करोड़ रु.), आईसीआईसीआई बैंक (4,15,500 करोड़ रु.), इन्फोसिस (3,61,800 करोड़ रु.) और भारती एयरटेल (2,80,800 करोड़ रु.) का स्थान रहा। मोतीलाल ओसवाल ने अध्ययन में कहा कि एक कम चर्चित कंपनी लॉयड्स मेटल्स ने 2018-23 के दौरान 79% सालाना वृद्धि दर के साथ सबसे तेजी से संपत्ति निर्माण किया। अडाणी समूह की प्रमुख फर्म अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड 78% सीएजीआर के साथ दूसरे स्थान पर रही। अध्ययन में है कि शीर्ष 10 सबसे तेज संपत्ति निर्माण करने वाली कंपनियों में यदि 2018 में 10 लाख रुपए का निवेश किया जाता, तो यह राशि 2023 में बढ़कर एक करोड़ रुपए होती।

दिल्ली में नकली दवा बनाने वाले कारखाने का भंडाफोड़, मालिक गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने राष्ट्रीय राजधानी के गुलाबी बाग इलाके में नकली दवा बनाने वाले एक कारखाने का भंडाफोड़ कर उसके मालिक को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, कारखाने में एक खुजली रोधक जेल 'बेटनोवेट एन' का उत्पादन किया जा रहा था। पुलिस ने बताया कि यह अवैध इकाई गुलाबी बाग के औद्योगिक क्षेत्र में चलाई जा रही थी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, अपराध शाखा के एक दल को जानकारी मिली थी कि गुलाबी बाग में कुछ कंपनियां नकली कॉस्मेटिक और दवाइयां बना रही हैं। अधिकारी ने बताया कि गुलाबी बाग औद्योगिक क्षेत्र की प्लॉट संख्या 99 में छापेमारी की गई, जहां अवैध उत्पादन किया जा रहा था। अधिकारी के मुताबिक, मौके पर कम से कम 57 कार्टन बरामद किए गए, जिनमें बेटनोवेट एन क्रीम की खाली ट्यूबें भरी हुई थीं। अधिकारी ने बताया कि हर कार्टन में 1200 ट्यूब थीं यानी करीब 68हजार खाली ट्यूबें।

संसद की सुरक्षा में सेंध: पुलिस ने जले हुए फोन के टुकड़े बरामद किए, सबूत मिटाने का आरोप जोड़ा जाएगा

नई दिल्ली/भाषा। संसद की सुरक्षा में सेंध लगने के चार दिन बाद दिल्ली पुलिस ने राजस्थान के नागौर से टूटे और जले हुए कुछ मोबाइल फोन के टुकड़े बरामद किए हैं। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी में सबूत मिटाने से जुड़ी आईपीसी की धाराएं जोड़ दी हैं। जांच से जुड़े एक अधिकारी ने कहा कि ललित झा की निशानदेही पर मोबाइल के कुछ टुकड़े बरामद किए गए हैं, जो मामले में पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए छह लोगों में से एक है। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ की एक टीम शनिवार को झा को राजस्थान के नागौर ले गई जहां वह आरोपी महेश कुमावत की मदद से ठहरा था। सूत्रों ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने 13 दिसंबर को दर्ज प्राथमिकी में धारा 201 (साक्ष्य नष्ट करना/साक्ष्य गायब करना) सहित आईपीसी की और धाराएं जोड़ने का फैसला किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कड़े गैर कानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम के तहत आतंकवाद के आरोप दर्ज किए हैं।

सॉफ्टवेयर निर्यात बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास करेगा हिमाचल प्रदेश: राजेश धर्माणी

हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश)/भाषा। हिमाचल प्रदेश राज्य से सॉफ्टवेयर निर्यात को पांच करोड़ रुपए से बढ़ाकर 100 करोड़ रुपए करने के लिए विशेष प्रयास करेगा। राज्य सरकार के मंत्री राजेश धर्माणी ने रविवार को यह बात कही। धर्माणी ने यहां 31वें राज्य स्तरीय बाल विज्ञान सम्मेलन के समापन पर कहा कि आज भारत अरबों रुपए का सॉफ्टवेयर निर्यात कर रहा है और देश के सॉफ्टवेयर निर्यात में हिमाचल प्रदेश का योगदान बढ़ेगा। इसके लिए एनआईटी जैसे संस्थानों को आगे आना चाहिए। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान हमीरपुर में इस सम्मेलन का आयोजन हिमाचल प्रदेश विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण परिषद ने शिक्षा विभाग और एनआईटी-हमीरपुर के सहयोग से किया था। इसमें राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार परिषद की भागीदारी भी रही। राज्य के कैबिनेट मंत्री के रूप में 12 दिसंबर को शपथ लेने के बाद पहली बार हमीरपुर आए मंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश से सॉफ्टवेयर निर्यात को पांच करोड़ रुपए से बढ़ाकर 100 करोड़ रु. करने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। मंत्री ने छात्रों को तार्किक रहने, अपनी जिज्ञासा को हमेशा जीवित रखने और विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के माध्यम से अपने आसपास की विभिन्न समस्याओं का समाधान खोजने की सलाह दी।

राज्यपाल जानबूझकर केरल की शांति 'भंग' करने की कोशिश कर रहे हैं : विजयन

पथनमथिट्टा (केरल)/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने रविवार को राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान पर जानबूझकर 'भड़काऊ' बयान देकर राज्य की शांति को 'जानबूझकर भंग करने का प्रयास' करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने यह गंभीर आरोप राज्य सरकार के एक जन संपर्क कार्यक्रम 'नव केरल सदास' के हिस्से के रूप में यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन के दौरान लगाया। राज्यपाल द्वारा प्रदर्शन कर रहे स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) कार्यकर्ताओं को 'अपराधी' कहे जाने के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए विजयन ने कहा, खान ऐसी अवस्था में पहुंच गए हैं, जिसमें उनके मन में जो आता है, वह कह देते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, वह (खान) भूल रहे हैं कि वह केरल के राज्यपाल हैं। विजयन ने कहा कि उन्होंने पहले भी कहा था कि खान 'जानबूझकर अपने कृत्यों के माध्यम से राज्य की शांति को भंग करने की कोशिश कर रहे हैं और यह राज्यपाल के बाद के कृत्यों से भी साबित हो गया है। मुख्यमंत्री ने माकपा की छात्र इकाई एसएफआई के प्रदर्शनकारी कार्यकर्ताओं को 'अपराधी' और 'गुंडा' कहने को लेकर भी खान की आलोचना की।

'2047 तक सभी के लिए बीमा हासिल करने में एलआईसी निभाएगी महत्वपूर्ण भूमिका'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जीवन बीमा निगम (एलआईसी) '2047 तक सभी के लिए बीमा' हासिल करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

एलआईसी के चेयरमैन सिद्धार्थ मोहंती ने कहा कि इसके लिए बीमा कंपनी विशेष योजना बना रही है और खासतौर से ग्रामीण क्षेत्रों के लिए तैयार किए गए उत्पाद पेश किए जाएंगे। उन्होंने बताया, जोर इस बात पर होगा कि अधिकतम ग्रामीण जनता को कैसे बीमा के दायरे में लाया जाए, जिन्हें वास्तव में बीमा की जरूरत है। आने वाले दिनों में हमारे कुल कारोबार में ग्रामीण हिस्सेदारी भी बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा कि '2047 तक सभी के लिए बीमा' के लक्ष्य को हासिल करने में एलआईसी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और इस दिशा में कंपनी ने पहले ही काम शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा, मुझे नियामक को धन्यवाद देना चाहिए। नियामक इरडा ने पहले ही एक समग्र उत्पाद 'बीमा विस्तार' का प्रस्ताव दिया है, जिसमें जीवन, स्वास्थ्य और संपत्ति बीमा शामिल होगा। उन्होंने कहा कि इन उत्पादों को बेचने के लिए 'बीमा वाहक' को लगाया जाएगा और यह एक महिला-केंद्रित वितरण मॉडल होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का आह्वान किया है, जब देश ब्रिटिश शासन से आजादी के 100 साल पूरे करेगा। फिलहाल, भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है लेकिन वैश्विक औसत की तुलना में यहां बीमा की पहुंच कम है।

सशस्त्र बलों में परंपराओं, नवाचार के बीच संतुलन होना चाहिए: रक्षामंत्री राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को नवाचार को अपनाते हुए सशस्त्र बलों की परंपराओं को कायम रखने की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि दोनों के बीच संतुलन होना चाहिए।

रक्षामंत्री ने हैदराबाद के निकट डुंडिगल में वायु सेना अकादमी में कम्बाइंड ग्रेजुएशन परेड(सीजीपी) को संबोधित करते हुए नव-नियुक्त अधिकारियों से नए विचारों, नवीन सोच और आदर्शवाद के प्रति अपने दिमाग को हमेशा खुला रखने का आग्रह किया।

सिंह ने अधिकारियों से सशस्त्र बलों की परंपराओं को समय की कसौटी पर परखी गई बताते हुए इन्हें उचित महत्व देने का आह्वान किया। लेकिन उन्होंने साथ ही कहा कि अगर परंपराओं का पालन बिना सोचे-समझे लंबे समय तक किया जाता है, तो प्रणाली में 'जड़ता ' की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

उन्होंने कहा कि इस स्थिति से बचने और लगातार बदलते समय के साथ तालमेल बिठाने के लिए कुछ नया करने की जरूरत है। उन्होंने परंपरा और नवाचार के बीच संतुलन को महत्वपूर्ण बताते हुए इसे कायम रखने का आह्वान किया।

रक्षामंत्री ने कहा,''लगातार बदलते समय के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए परंपरा और नवीनता के बीच संतुलन बनाएं। यदि हम केवल परंपरा का पालन करेंगे, तो हम एक झील की तरह हो जाएंगे। हमें एक बहती हुई नदी की तरह बनना होगा। इसके लिए हमें परंपरा के साथ नवीनता लानी होगी। उड़ते रहो और ऊंचाइयों को छूओ लेकिन जमीन से अपना जुड़ाव बनाए रखो।

केंद्र ने पंजाब का कोष 'रोका': केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बठिंडा (पंजाब)/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पंजाब का कोष रोकने को लेकर रविवार को केंद्र की आलोचना की और दावा किया कि विरोधी दलों के कहने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने राज्य में विकास कार्य पर अंकुश लगाने की कोशिश के तहत निधि रोकी है। केजरीवाल ने यहां 'विकास क्रांति' रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि अकाली दल और कांग्रेस सरकारों ने पंजाब के कल्याण के लिए कुछ नहीं किया।

इस अवसर पर केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बठिंडा के लिए 1,125 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाएं शुरू कीं। केजरीवाल ने कहा, सभी दल परेशान हैं और वे हमारे खिलाफ हो गए हैं। वे एक साथ आए और केंद्र के पास गए और कहा कि हमारे काम को रोकने के लिए कुछ करें। (उन्होंने केंद्र से कहा) उन्हें (आप को) काम नहीं करने दें। अगर वे (आप) इतना काम करेंगे, तो हमारा (प्रतिद्वंद्वी दल) बेड़ागर्क हो जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया, ये सभी दल केंद्र के पास गए, जिन्होंने गलत काम किया। उन्होंने स्वास्थ्य के लिए पंजाब के कोष को रोक दिया। केजरीवाल ने कहा, लेकिन मान सरकार ने कई जगहों पर मोहल्ला क्लीनिक खोले हैं। केजरीवाल ने मंडियों में सड़कों के निर्माण के लिए ग्रामीण विकास निधि के 5,500 करोड़ रुपए रोकने के लिए भी केंद्र की आलोचना की, लेकिन मुख्यमंत्री मान ने कहा कि वह और सड़कें बनावएंगे।

भारत में कोविड के 335 नए मामले सामने आए

नई दिल्ली/भाषा। भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के 335 नए मामले सामने आए और उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 1,701 हो गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा शनिवार 8 बजे अद्यतन किए आंकड़ों के अनुसार, मृतकों की संख्या बढ़कर 5,33,316 हो गई है जबकि देश में कोविड-19 के कुल मामलों की संख्या 4.50 करोड़ (4,50,04,816) है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, संक्रमण से केरल में चार लोगों की मृत्यु हुई जबकि उत्तर प्रदेश में एक व्यक्ति ने कोविड संक्रमण से अपनी जान गंवाई। आंकड़ों के अनुसार, इस बीमारी से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 4,44,69,779 हो गई है और स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर 98.81 प्रतिशत है।

छत्तीसगढ, राजस्थान चुनाव में हार कांग्रेस के लिए अप्रत्याशित और चिंता का विषय है : चिदंबरम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने हाल में हुए छत्तीसगढ़ और राजस्थान विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार को अप्रत्याशित और चिंता का विषय बताया। चिदंबरम ने 'पीटीआई-भाषा' से एक विशेष साक्षात्कार में रविवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) हर चुनाव ऐसे लड़ती है कि जैसे यह अंतिम लड़ाई हो और विपक्षी दलों को इसका अहसास होना चाहिए। उन्होंने कहा, तीन राज्यों -छत्तीसगढ़, राजस्थान और मध्य प्रदेश में भाजपा की जीत 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी के लिए काफी उत्साह बढ़ाने वाली है। छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस की हार अप्रत्याशित है। नतीजे चिंताजनक हैं और मुझे यकीन है कि पार्टी का नेतृत्व कमजोरियों पर ध्यान देगा।

बहरहाल, पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि चार बड़े राज्यों - राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में पार्टी का 40 फीसदी मत प्रतिशत बरकरार नजर आता है। चिदंबरम ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अंतिम व्यक्ति तक चुनाव प्रचार कर, बूथ प्रबंधन और मतदान वाले दिन सुस्त मतदाता को मतदान केंद्र तक लाने जैसे मुद्दों से निपटकर लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी का मत प्रतिशत 45 फीसदी तक बढ़ाया जा सकता है। हाल में हुए चुनाव में भाजपा ने उन तीनों राज्य में कांग्रेस को हरा दिया, जहां दोनों के बीच कड़ा मुकाबला था। भाजपा ने कांग्रेस से राजस्थान और छत्तीसगढ़ दोनों राज्य छीन लिए तथा मध्य प्रदेश में सत्ता बरकरार रखी। कांग्रेस के लिए राहत की केवल यही बात रही कि उसने तेलंगाना में जीत दर्ज करते हुए भाजपा को तीसरे नंबर पर धकेल दिया।

भाजपा के ध्रुवीकरण, परोक्ष मुस्लिम विरोधी और ईसाई विरोधी प्रचार और अति राष्ट्रवाद पर चिंता जताते हुए कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य ने कहा कि पार्टी को इसका करारा जवाब तलाशना पड़ेगा। उन्होंने कहा, यह जबरदस्त संयोजन है। भाजपा ने कल्याणकारी कदमों (तथाकथित मुफ्त की रेवड़ियों) के खिलाफ अपना राग छोड़ दिया है। लेकिन मुझे ध्रुवीकरण, परोक्ष मुस्लिम विरोधी और ईसाई विरोधी प्रचार तथा अति-राष्ट्रवाद को लेकर अधिक चिंता है। उत्तरी और मध्य भारत के राज्य इस तरह की अपील से अधिक प्रभावित दिखते हैं। कांग्रेस को इसका उचित जवाब तलाशना पड़ेगा।

रमन सिंह होंगे छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष, दाखिल किया नामांकन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। भारतीय जानता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह ने रविवार को छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया।अधिकारियों ने यह जानकारी दी। विधानसभा के एक अधिकारी ने बताया कि राजनांदगांव सीट से विधायक सिंह ने विधानसभा परिसर में राज्य विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा, कांग्रेस विधायक दल के नेता चरण दास महंत और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल मौजूद थे।

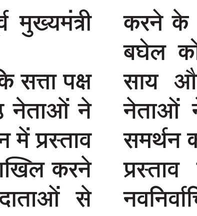

अधिकारी ने बताया कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के वरिष्ठ नेताओं ने सिंह के नामांकन के समर्थन में प्रस्ताव प्रस्तुत किया। नामांकन दाखिल करने के बाद सिंह ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि वह अपनी नई जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगे और छत्तीसगढ़ विधानसभा को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने नामांकन का समर्थन करने के लिए कांग्रेस नेता महंत और बघेल को धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री साय और भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी (उनके नामांकन का समर्थन करते हुए) सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया है। सिंह ने नवनिर्वाचित विधानसभा के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा, मैं एक नई भूमिका में रहूंगा। मेरी नई जिम्मेदारी विधानसभा में सभी को साथ लेकर चलने की होगी। मेरी जिम्मेदारी सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच संतुलन बनाने की होगी। सिंह ने कहा, मैं अपनी नई जिम्मेदारी का निर्वहन करूंगा और राज्य विधानसभा को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का प्रयास करूंगा। संवाददाताओं से बात करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि रमन सिंह जी राज्य विधानसभा के अध्यक्ष के रूप में निर्विरोध चुने जाएंगे। उन्होंने सिंह को बधाई दी।

घर जैसे निजी स्थान पर अन्याय को लेकर कोई संवैधानिक रिक्तता नहीं : प्रधान न्यायाधीश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने रविवार को कहा कि घर उसके निवासियों को निजी सुरक्षित स्थान प्रदान करते हैं, लेकिन जरूरी नहीं है कि उसमें रहने वाले सभी लोगों के साथ समान व्यवहार होता हो। प्रधान न्यायाधीश ने सरकार की संवैधानिक अनिवार्यता, सार्वजनिक और निजी स्थानों में भेदभाव को कम करना' विषय पर व्याख्यान में रेखांकित किया कि निजी जीवन में सुधार का लाभ सार्वजनिक जीवन को भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि घर जैसे निजी स्थान पर अन्याय के मामले में कोई संवैधानिक रिक्तता नहीं है।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ यहां 'नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी', बेंगलूरु द्वारा आयोजित न्यायमूर्ति ई एस वेंकटरमैया शताब्दी स्मृति व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। प्रधान न्यायाधीश के अनुसार, भारत में अदालतों ने अतीत में व्यक्ति के ऊपर विवाह संस्था को विशेषाधिकार दिया है। उन्होंने कहा कि अदालतों को यह सोच विरासत में मिली है कि संस्थाओं को संरक्षित करने की आवश्यकता व्यक्तिगत अधिकारों की रक्षा करने की आवश्यकता से अधिक है।

उन्होंने कहा कि घरों को निजता के संवेदनशील स्थान के रूप में सुरक्षित क्षेत्र माना जाता है, जो संवैधानिक कानून के मूल सिद्धांतों के अमल से मुक्त है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, पूरी निष्पक्षता से, व्यक्तियों के निजी जीवन को सुरक्षित रखने की यह प्रवृत्ति अच्छी तरह से स्थापित है, भले ही हम असहमत हों।

आखिरकार, निजता व्यक्तित्व और गरिमा का विस्तार मात्र है।

उन्होंने कहा, यह एक ऐसा अधिकार है जो सार्वजनिक और निजी प्राधिकारों की ज्यादतियों पर, सरकार और सरकार के इतर तत्वों द्वारा व्यक्ति के जीवन में अत्यधिक घुसपैठ के खिलाफ गारंटी देता है। यह निगरानी और अभिव्यक्ति पर प्रतिबंध के खिलाफ प्रभावी अवरोध प्रदान करता है।उन्होंने कहा, ''मैं खुद से पूछता हूं, घर की इस दहलीज पर कानून रोकने में क्या हर्ज है? इसका जवाब इस तथ्य में निहित है कि घर जितना भी अपने निवासियों को एक निजी सुरक्षित स्थान प्रदान करे, लेकिन केवल इसी तथ्य से यह एक न्यायसंगत स्थान नहीं हो जाता।''

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने उल्लेख किया कि घरों में सुरक्षा की सामान्य भावना के बावजूद इस बात की काफी संभावना है कि ये स्थान कुछ लोगों के लिए गैरबराबरी के और अनुचित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह सुनना असामान्य नहीं है कि जब एक लड़के और एक लड़की की शिक्षा के बीच वित्तीय विकल्प को चुनने का सामना करना पड़ता है, तो परिवार लड़के के पक्ष में चयन करेगा।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हमारे निजी जीवन में सुधार के लाभ हमारे सार्वजनिक जीवन में भी दिखाई देंगे। जैसे-जैसे हमने यह समझना शुरू किया कि ये निजी स्थान भी संविधान के दायरे में है और निजी स्थानों में अन्याय भी वास्तव में अन्याय है, हम समाज में उनकी भूमिका का बेहतर आकलन करने में सक्षम हुए। महिलाओं को कार्यस्थल पर भी भेदभाव का सामना करना पड़ता है, यह उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि लैंगिक आधार पर वेतन विसंगति और भारतीय महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव को दूर करने के प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वकालत में न केवल लैंगिक आधार पर संवेदनशील नीतियां शामिल होनी चाहिए, बल्कि ऐसी पहल भी शामिल होनी चाहिए जो महिलाओं के सामने आने वाली अनूठी चुनौतियों को चिह्नित करें और सुधारें।

विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरता हुआ भारत : प्रह्लाद जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आज भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनकर उभरा है। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि 10 साल पहले भारत दुनिया की सबसे कमजोर अर्थव्यवस्था के रूप में जाना जाता था। वह रविवार को शिवाजीनगर विधानसभा क्षेत्र के वसंतनगर वार्ड में विकासशील भारत संकल्प यात्रा के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की जन परियोजनाओं के आरसी डिजिटल वाहन को देखने के दौरान बोल रहे थे। भारत, जो इतना समृद्ध देश और प्रचुर मानव संसाधन वाला देश है, आज़ादी के 75 साल बाद भी विकासशील देश कहलाता है। देश का इतिहास 5 हजार साल पुराना है। यही जीत का इतिहास है। उन्होंने बताया कि इतिहास भी झूठा लिखा गया है। दुनिया में विकसित, विकासशील और अविकसित देशों की तीन श्रेणियां हैं। यह शब्दावली है। 10 साल में मोदी के नेतृत्व में विकास की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। उन्होंने विश्वास के साथ कहा कि हम अगले 10 साल तक काम करते रहेंगे।

विकासशील भारत संकल्प यात्रा में हमने दो विचार रखे हैं। भारत पहले ही दुनिया की 5वीं आर्थिक शक्ति बनकर उभरा है। 10-11 साल पहले 2009-14 के दौरान हम विपक्ष में थे। उस समय संसद में भारत की वित्तीय स्थिति की गंभीरता और भारतीय बैंकों के एनपीए के प्रभाव को लेकर चर्चा चल रही थी। उन्होंने कहा कि भारत को दुनिया में सबसे कमजोर आर्थिक देश के रूप में चित्रित किया गया है। हम इंग्लैंड के बाद पांचवें स्थान पर रहे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने तय किया है कि अगले तीन साल में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनकर उभरे। अमेरिका और चीन के बाद हमारा स्थान होगा। उन्होंने आत्मविश्वास से कहा कि अगले साल इस समय तक हम दुनिया की चौथी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन जायेंगे। इससे पहले खुद एक मंत्री ने यूपीए काल में फंड की कमी के बारे में मुझसे जानकारी साझा की थी। आज हर कैबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री विभिन्न परियोजनाओं, स्वीकृत राशि, परियोजना की प्रगति-स्थिति, व्यय की राशि के बारे में जानकारी लेते हैं। उन्होंने कहा कि अगर तुम्हें और पैसों की जरूरत हो तो मांग लेना।

हमारी आबादी 140 करोड़ है। हर किसी के सिर पर छत हो यही हमारी चाहत है। 1960-2014 के बीच, लगभग 54-55 वर्षों में 3.58 करोड़ घर बनाए गए। हमने मोदी के 10 साल के शासन के अंत से पहले 4 करोड़ घर बनाए हैं। उन्होंने कहा कि 2025-26 में सभी बेघरों को घर उपलब्ध कराने का लक्ष्य है. योजना के लाभार्थियों की सफलता की कहानियां साझा की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि इस वाहन का उद्देश्य विश्वास पैदा करना और उन लोगों तक पहुंचना है जिन्हें योजना का लाभ नहीं मिलता है।

25 लाख से कम में घर बनाने वाले मध्यम वर्ग को 4 फीसदी ब्याज दर पर लोन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि ये वाहन देश में चल रहे हैं ताकि सभी को विभिन्न योजनाओं का लाभ मिल सके। प्रह्लाद जोशी ने कहा कि लोग इसे 'मोदी गारंटी' कह रहे हैं। सांसद पीसी मोहन बेंगलूरु केंद्र के अध्यक्ष मंजूनाथ, प्रमुख एम. चंद्रू, संपत कुमार, एम. गोपी, गुणशेखर, मंडल अध्यक्ष बालाजी मणि और जनता के सदस्यों ने भाग लिया।

प्रदर्शन

डॉ. विष्णुवर्धन फैंस एसोसिएशन के फेडरेशन के सदस्यों ने विष्णु स्मारक के लिए जगह की मांग को लेकर रविवार को बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में विरोध प्रदर्शन करते हुए।

भ्रष्टाचार के मामले मिलने पर मूकदर्शक नहीं रहेंगे : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार भ्रष्टाचार पर मूकदर्शक नहीं रहेगी और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करेगी। सिद्दरामैया ने कहा कि पिछली सरकार के खिलाफ '40 फीसदी कमीशन' मामले की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा, ''प्रदेश में भ्रष्टाचार का कोई भी मामला सामने आया तो सरकार मूकदर्शक नहीं रहेगी। जांच कराई जाएगी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।'' जब सिद्दरामैया से कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम के अधिकारियों द्वारा ड्यूटी लगाने के एवज़ में चालकों से रिश्वत मांगने के बारे में पूछा गया तो

उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ जांच की जाएगी।

जाति जनगणना के अवैज्ञानिक होने के आरोपों को लेकर पूछे गए एक सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछड़ा वर्ग आयोग ने अपनी रिपोर्ट नहीं सौंपी है, फिर भी कुछ लोग पहले से ही टिप्पणी कर रहे हैं कि रिपोर्ट वैज्ञानिक नहीं है। उन्होंने कहा, इस तरह के बयान रिपोर्ट की सामग्री को जाने बिना अटकलों पर आधारित हैं। रिपोर्ट जमा करने दीजिए।

कर्नाटक लोकायुक्त कार्यालय में 700 से अधिक पद रिक्त, 16 हजार मामले हुए लंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक लोकायुक्त कार्यालय में उपलोकायुक्त के एक पद समेत कुल 717 पद रिक्त हैं जिसके कारण 16,019 मामले लंबित हो गए हैं। कर्नाटक के लोकायुक्त न्यायमूर्ति बी एस पाटिल ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने साथ ही कहा कि इस समय मौजूद संसाधनों की मदद से लंबित मामलों का तेजी से निपटारा किए जाने का प्रयास किया जा रहा है।

न्यायमूर्ति पाटिल ने शनिवार को यहां स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों से समीक्षा बैठक करने और लोकायुक्त को मिली शिकायतों की स्थिति जानने के बाद पत्रकारों को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि उन्होंने उपलोकायुक्त के एक रिक्त पद एवं अन्य सभी 716 रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती के लिए राज्य सरकार को पत्र लिखा है लेकिन इस बारे में अभी कोई कार्रवाई नहीं की गयी है।

उन्होंने बताया कि 716 पदों में 47 पद 'क' वर्ग के अधिकारियों के और 43 पद 'ख' वर्ग के अधिकारियों के हैं जबकि 532 पद तृतीय श्रेणी के कर्मियों के एवं 94 पद चतुर्थ श्रेणी के कर्मियों के पद रिक्त हैं। न्यायमूर्ति पाटिल ने बताया कि 5,805 मामले तो राज्य के एक उपलोकायुक्त के समक्ष लंबित हैं जिनका पद ही रिक्त है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि अत्यंत सीमित संसाधन होने के बावजूद लंबित मामलों को जल्द से जल्द निपटाने के प्रयास किये जा रहे हैं ताकि आम लोगों को भ्रष्टाचार से निजात मिल सके।

दपरे को मध्य रेलवे के साथ पर्यावरण एवं स्वच्छता शील्ड दी गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बली। दक्षिण पश्चिम रेलवे और मध्य रेलवे ने संयुक्त रूप से भारतीय रेलवे में पर्यावरण और स्वच्छता श्रेणी में शील्ड जीती है। क्षेत्रीय रेलवे/पीएसयू को कुल 21 शील्ड प्रदान की गई हैं। केंद्रीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 15 दिसंबर को 68वें रेलवे सप्ताह केंद्रीय समारोह - अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार-2023 के दौरान जोनल रेलवे को विशिष्ट क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए ये शील्ड प्रदान कीं। कार्यक्रम का आयोजन नई दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में किया गया था। दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक संजीव किशोर ने मध्य रेलवे के साथ संयुक्त रूप से शील्ड प्राप्त की।

विंटेज कार रैली

बेंगलूरु में रविवार को रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट्स 3191 और 3192 ने आज मानसिक स्वास्थ्य पर जागरूकता बढ़ाने के लिए कर्नाटक विंटेज एंड क्लासिक कार क्लब के सहयोग से एक विंटेज कार रैली का आयोजन किया। विंटेज कार और बाइक रैली को रविवार सुबह रोटरी इंटरनेशनल प्रेसिडेंट आरटीएन ने विधान सौधा के सामने से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके बाद रैली सेंचुरी क्लब की ओर बढ़ी और एमजी रोड, कनिंघम रोड होते हुए पैलेस ग्राउन्ड के चामव्रजा ग्राउन्ड में सम्पन्न हुई। इस रैली में 25 से अधिक विंटेज कारों और बाइकों ने भाग लिया, जिनमें 1935 से 1974 तक की इन विंटेज 'सुंदरियों' के मॉडल शामिल हुई।

नेशनल सिल्क एक्सपो में खूबसूरत साड़ियों के रंगों का जलवा छाया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर में हथकरघा उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री लोगों को खूब आकर्षित कर रही है। इसके लिए 'नेशनल सिल्क एक्सपो' का आगाज 16 दिसंबर को थर्ड फेज बन्नेरघट्टा मेन रोड, जेपी नगर के शिल्प कल मंटपा में हुआ। यहां भारत की बुनाई परंपराओं को प्रदर्शित करने वाली साड़ियों और पोशाक सामग्रियों की 1,50,000 से अधिक किस्में मौजूद हैं।

यहां जीवंत रंगों और मिट्टी के रंगों में जूट रेशम, पॉलिश और कच्चे टसर, कांथा-वर्क वाली साड़ियां, ढाकाई जामदानी और मसलिन रेशम, बालूचरी, तंगेल, पश्चिम बंगाल की लिनेन साड़ी, उप्पाडा साड़ियां, जो सोने की बुनाई के साथ शानदार ढंग से चमकती हैं, के प्रति खास आकर्षण है।

वहीं, डबल बुनाई इक्कत, घिचा सिल्क और कॉटन खरीदारी को खास बनाते हैं। उत्तम दर्जे का रेशम औपचारिक अवसरों के लिए आदर्श माना जाता है। वहीं, हल्के पेस्टल रंगों में लखनऊ से चिकन का काम सभी उम्र और अवसरों के लिए है।

कई उत्पादों पर छूट देने वाली इस प्रदर्शनी में भागलपुरी सिल्क, रनिंग मटीरियल और साड़ियों का आकर्षक संग्रह है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश के बनारस सिल्क और सिल्क कॉटन, राजस्थानी डब्बू प्रिंट, बंधेज और गुजरात पटोला, बिहार टसर सिल्क मंत्रमुग्ध करने वाले रंगों में हैं। वहीं, इंद्रधनुषी रंगों में वर्क किए गए बॉर्डर के रोल, सेक्विन-वर्क वाले ब्लाउज, ड्रेस के लिए योक और भी बहुत कुछ यहां उपलब्ध है, जिसके लिए बड़ी संख्या में लोग उमड़ रहे हैं। यहां एंट्री नि:शुल्क है। सभी डेबिट और क्रेडिट कार्ड स्वीकार किए जाएंगे। एक्सपो का समय सुबह 11 बजे से रात 9 बजे तक है। इसका समापन 25 दिसंबर को होगा।

संघ परिवार 'झूठ की फैक्टरी' है : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और इससे संबद्ध संगठनों को झूठ की फैक्टरी करार दिया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा कांग्रेस सरकार की ''पांच गारंटी को नाकाम'' बताए जाने के संबंध में पत्रकारों के एक सवाल का जवाब देते हुए सिद्दरामैया ने भाजपा और संघ परिवार को ''झूठ की फैक्टरी'' बताया। कर्नाटक के एक धर्म गुरू के इस बयान कि अगर भारत का अस्तित्व बचाना है तो इसे हिंदू राष्ट्र बना देना चाहिए, इस पर सिद्दरामैया ने कहा कि यह भाजपा का नारा है। उन्होंने कहा, जनसंघ अपनी शुरुआत से ही चाहता था कि भारत हिंदू राष्ट्र बने, लेकिन हमारा देश एक विविधतापूर्ण देश है, जहां न केवल हिंदू, बल्कि ईसाई, मुस्लिम, जैन और बौद्ध भी रहते हैं। ऐसे में सिर्फ हिंदुओं के लिए राष्ट्र बनाना संभव नहीं है।

कांग्रेस सरकार में मंत्री-विधायकों के चहेतों को मिलीं सभी राजनीतिक नियुक्तियां रद्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दौसा। कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में हुई राजनीतिक नियुक्तियों पर अब गाज गिर चुकी है। मंत्री व विधायकों के चहेतों को मिली नियुक्तियां रद्द कर दी गई हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य स्तरीय एवं जिला स्तरीय समितियों /आयोग/ निगम/ बोर्ड/ टास्क फोर्स इत्यादि में नियुक्त गैर सरकारी अध्यक्ष/उपाध्यक्ष /सदस्य की नियुक्तियों को समाप्त करने के आदेश जारी कर दिए हैं। साथ ही कहा है कि जो नियुक्तियां रद्द नहीं की जा सकती हैं, उनकी फाइलें तुरंत सीएमओ को भिजवाई जाएं। ताकि उनके बारे में नियमानुसार उचित निर्णय लिया जा सके।

मुख्यमंत्री भजन लाल को कुर्सी संभाले अभी दो दिन भी नहीं हुए कि वे सक्रिय भूमिका में नजर आने लगे हैं। सोशल मीडिया में भजन लाल शर्मा की एक फोटो बड़ी तेजी से वायरल हो रही है। जिसमें भजन लाल शर्मा चार्टर प्लेन में भी कार्य करते नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया में राजस्थान सरकार के प्रशासनिक सुधार विभाग के अनुभाग 3 का पत्र भी तेजी से वायरल हो रहा है। यह पत्र संयुक्त शासन सचिव मुन्नी मीणा के हस्ताक्षर से जारी किया गया है।

पत्र के अनुसार विभिन्न विभागों के अन्तर्गत राज्य स्तरीय एवं जिला स्तरीय समितियां/ आयोग/ निगम/ बोर्ड/टास्क फोर्स इत्यादि कार्यरत हैं, जिनमें गैर सरकारी अध्यक्ष/उपाध्यक्ष/सदस्य मनोनीत किये हुए हैं। राज्य सरकार द्वारा विभिन्न संस्थाओं में सभी गैर सरकारी सदस्यों के मनोनयन एवं जिन विभागों मे गैर सरकारी सदस्यों की सलाहकारी सेवाएं ली जा रही हैं, उन्हें तुरन्त प्रभाव से समाप्त किये जाने का निर्णय लिया गया है।

इनके अधीन विभाग द्वारा गठित राज्य स्तरीय एवं जिला स्तरीय समिति/ आयोग/ निगम/ बोर्ड/टास्क फोर्स इत्यादि में गैर सरकारी अध्यक्ष/ उपाध्यक्ष/ सदस्यों का मनोनयन किया हुआ है। सलाहकार के रूप में गैर सरकारी सदस्यों की सेवाएं ली जा रही हैं, उन्हें तुरन्त प्रभाव से समाप्त कर आदेश की प्रति मुख्यमंत्री कार्यालय एवं इस विभाग को प्रेषित करने के आदेश प्रदान किए गए हैं।

साथ में ऐसे प्रकरण जिनमें वैधानिक दृष्टि से निरस्त किया जाना सम्भव नहीं है, उनकी पत्रावलियां मय नियमावली के मुख्यमंत्री कार्यालय को तत्काल भिजवाए जाने के आदेश प्रदान किए गए हैं।

गौरतलब है कि चुनाव से ठीक पहले दौसा जिले में भी इस प्रकार की नियुक्तियां जिले के मंत्रियों ने अपने कृपा पात्रों को देकर उपकृत किया था। अब देखना यह है की ये उपकृत कृपा पात्र अपनी नियुक्तियों को बचा पाने में कितने सफल हो पाते हैं?

कार में आग लगने से तीन लोग जिंदा जले

जयपुर। राजस्थान के अजमेर जिले में शनिवार देर रात सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को बताया कि एक कार डिवाइडर से टकरा गई जिसके बाद उसमें आग लग गई, इसमें तीन लोग जिंदा जल गये। उन्होंने बताया कि लोहागल मार्ग पर हुई इस दुर्घटना में दो अन्य लोग गंभीर रूप से झुलस गए। मृतकों की पहचान सोहेल खान, जय सांखला और शक्ति सिंह के रूप में हुई वहीं कृष्ण मुरारी और उमेश कुमार घायल हुए हैं।

पुलिस के अनुसार ये सभी दोस्त थे और पुष्कर से लौट रहे थे तभी उनकी तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकरा गई और उसमें आग लग गई। आसपास मौजूद लोगों ने कार की खिड़की के शीशे तोड़कर दो लोगों को तो बाहर निकाल लिया लेकिन अन्य को बचाया नहीं जा सका।

भजन लाल ने वेदांता पिंकसिटी हॉफ मैराथन को किया रवाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ भारत के संकल्प को साकार करती वेदांता पिंकसिटी हॉफ मैराथन को रविवार को सुबह यहां हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

शर्मा ने जगतपुरा में आयोजित वेदांता पिंक सिटी हाफ मैराथन के आठवें संस्करण के तहत इस मैराथन को सुबह सात बजे झंडी दिखाकर रवाना किया और हजारों धावकों को आगे बढ़ते रहने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि युवाओं को स्वस्थ और उत्साहित रहकर देश में राजस्थान को अग्रणी राज्य बनाने का संकल्प लेना चाहिए। यह मैराथन 'रन फॉर जीरो हंगर' के महत्वपूर्ण उद्देश्य से हो रही है। इस आयोजन में 12 हजार से अधिक धावकों को एकजुट किया गया। इससे एक लाख से अधिक जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। हम सभी को मिलकर इस संकल्पना को साकार करना होगा।

मैराथन में 21 किलोमीटर की हाफ मैराथन, 10 किमी की कूल रन और पांच किमी की ड्रीम रन कैटेगरी में धावकों ने दौड़ पूरी कर फिटनेस और एकजुटता का संदेश दिया। तीन श्रेणियों में मैराथन को मुख्यमंत्री द्वारा झंडी दिखाकर रवाना करते समय वेदांता लिमिटेड की नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर प्रिया अग्रवाल हेब्बर, हिंदुस्तान जिंक के सीईओ अरुण मिश्रा और केयर्न ऑयल एंड गैस के डिप्टी सीईओ डॉ. स्टीव मूर मौजूद थे। अरुण मिश्रा और डॉ. स्टीव मूर ने क्रमशः 21 किमी हाफ मैराथन और पांच किमी ड्रीम रन में भाग भी लिया।

वेदांता पिंक सिटी हाफ मैराथन (वीपीसीएचएम), वेदांता का एक वार्षिक कार्यक्रम है जो स्वास्थ्य एवं फिटनेस को बढ़ावा देने और सामाजिक कारणों के लिए जगरुकता फैलाने के लिए आयोजित किया जाता है। इसके इस आठवें संस्करण में 12 हजार धावकों ने भाग लिया। फिटनेस, एकता और बदलाव लाने के इस उत्सव की भावना के प्रतीक के साथ, रनफॉरजीरोहंगर के समर्थन में आज एक लाख से अधिक फूड पैकेट जुटाए गए। मैराथन में रनर्स द्वारा प्रत्येक एक किमी रन के साथ एक बच्चे को एक भोजन प्रदान करने की वेदांता की प्रतिबद्धता मे कुल मिलाकर एक लाख से अधिक फूड पैकेट जुटाए गए। ये भोजन, कुछ महीने पहले वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन में जुटाए गए 50 लाख भोजन, वेदांता के लगभग छह हजार नंद घरों के नेटवर्क में परोसा जाएगा जो आधुनिक, अत्याधुनिक आंगनबाड़ियां हैं। नंद घर वेदांत के अनिल अग्रवाल फाउंडेशन का प्रमुख सामाजिक इम्पैक्ट कार्यक्रम है और पूरे भारत में इसे 14 राज्यों में संचालित किया जाता है।

इस अवसर सुहेब्बार ने कहा मैराथन शक्ति का प्रमाण है सकारात्मक बदलाव के लिए रनर्स समुदायों का एक साथ आना। यह न केवल फिटनेस और स्पोर्ट्स एक्ससेलेंस का उत्सव है बल्कि हमारे दिल के करीब 'ज़ीरो हंगर' के लिए लोगों को एकजुट करने का एक तरीका भी है। चेयरमैन अनिल अग्रवाल का सपना है कि कोई भी बच्चा भूखा न सोए। यह सौभाग्य की बात है कि इस वर्ष, वेदांता पिंक सिटी हाफ मैराथन में उत्साह पूर्ण भागीदारी के साथ, हम अपने नंद घर के माध्यम से बच्चों को लाखों पौष्टिक भोजन परोसने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मुझे विश्वास है कि इस आंदोलन की सफलता कुपोषण उन्मूलन के हमारे सपने की दिशा में अपने तरीके से योगदान देगी।

वेदांता ने इस साल की शुरुआत में अनिल अग्रवाल फाउंडेशन के माध्यम से एक न्यूट्री-बार लॉन्च की जो नंद घरों सहित आंगनबाड़ियों में बच्चों को पूरक पोषण प्रदान करता है। नंद घरों के नेटवर्क के शुरुआती परिणाम आशाजनक रहे और पोषण संबंधी परिणामों में सुधार का संकेत देते हैं। रनर्स के साथ इस अनुभव को साझा करने के लिए, वीपीसीएचएम 2023 में प्रत्येक रनर को ये मल्टी-मिलेट बार दी गयी। वेदांता पिंक सिटी हाफ मैराथन लगातार समुदाय की भावनाओं को, स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने और सामाजिक कारणों के लिए जगरुखता फैलाने का एक मंच रहा है।

सम्मान प्राप्त करते हुए राजस्थानी साहित्यकार राजेंद्र स्वर्णकार

देर रात तक चला मण्डेला स्मृति अखिल भारतीय कविसम्मेलन

बीकानेर के राजेंद्र स्वर्णकार को लोककवि मोहन मंडेला स्मृति लोक साहित्य सम्मान से नवाजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शाहपुरा (राज.)। साहित्य सृजन कला संगम संस्थान के तत्वावधान में आयोजित 26 वें लोक कवि मोहन मण्डेला स्मृति अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में संस्था द्वारा स्थापित ''लोक कवि मोहन मण्डेला स्मृति लोक साहित्य सम्मान'' इस वर्ष राजस्थानी भाषा के ख्याति प्राप्त साहित्यकार बीकानेर के राजेन्द्र स्वर्णकार को दिया गया। सम्मान में नकद राशि, श्रीफल, शॉल, उपरणा, पगड़ी एवं मान पत्र भेंट किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता शाहपुरा के नगर परिषद सभापति रघुनन्दन सोनी ने की। शाहपुरा जिला कलेक्टर टीकम चंद बोहरा कार्यक्रम के खास मेहमान रहे। पूर्व व्यापार मण्डल के अध्यक्ष लालूराम जागेटिया एवं राजस्थान तैराकी संघ के अध्यक्ष एवं भारतीय तैराकी संघ के उपाध्यक्ष अनिल व्यास सहित अनेक विशिष्ट अतिथियों का संस्था परिवार की ओर से माला एवं स्मृति चिन्ह देकर अभिनन्दन किया गया। कार्यक्रम में बालकृष्ण बीरा, रमेश मारू, राजाराम पोरवाल, अविनाश शर्मा, प्रियकान्त शर्मा, प्रकाश दीक्षित, संस्था उपाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, शिवरतन दाधीच, शिव प्रकाश जोशी, सुनील भट्ट, सत्यव्रत वैष्णव, तेजपाल उपाध्याय, संचिना अध्यक्ष रामप्रसाद पारीक आदि ने कवियों एवं अतिथियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधानसभा क्षेत्र शाहपुरा-बनेड़ा के नवनिर्वाचित विधायक लालाराम बैरवा का संस्थान की ओर से नागरिक अभिनन्दन किया गया। कार्यक्रम की संचालिका ख्याति प्राप्त कवयित्री डॉ.कीर्ति काले एवं संयोजक डॉ.कैलाश मण्डेला ने पूर्व विधायक कैलाश मेघवाल द्वारा शाहपुरा में लोककवि मोहन मण्डेला जी के नाम पर आडिटोरियम बनाने की घोषणा की क्रियान्विति के लिए विधायक बैरवा को स्मरण कराते हुए एक पत्र सौंपा।

देर रात्रि 3.00 बजे तक चले कविसम्मेलन में देश के नामचीन कवियों ने एक से बढ़कर एक रचना प्रस्तुत कर श्रोताओं को बांधे रखा। कार्यक्रम की शुरुआत माण्डलगढ़ से राजस्थानी एवं हिन्दी गीतों के गीतकार मोहनपुरी की सरस्वती वंदना से समां बंधा जो कविसम्मेलन के अंत तक बना रहा। उसके पश्चात कार्यक्रम के सूत्रधार डॉ. कैलाश मण्डेला ने परम्परा अनुसार लोक कवि मोहन मण्डेला के लिखे कई श्रेष्ठ गीतों में से श्रृंगार का बेहतरीन गीत 'जोड़ी रूपाळी' खेत आंगणे रे, ढोला-मारू बीज बोय, या जोड़ी जुड़ी रे बेजोड़, जोड़ी रूपाळी सुनाकर सभी को आनन्दित कर दिया। श्रेष्ठ साहित्यकार और कवि जिला कलेक्टर टीकमचंद बोहरा ने वर्तमान सामाजिक संदर्भों को रेखांकित करते हुए कुत्तों के प्रति प्रेम और अपनों से उदासीनता पर अपनी शानदार कविता प्रस्तुत कर कटाक्ष किया। गीतकार सत्येन्द्र मण्डेला ने पीळो रंग तो ई जगती में मान बढ़ावै रे सुनाकर कर मंत्रमुग्ध कर दिया। सभी कवियों ने अपनी श्रेष्ठ रचनाएं पेश कीं।

कार्यक्रम का बेहतरीन संचालन कर रही डॉ. कीर्ति काले ने श्रृंगार के बेहतरीन गीतों से कवि सम्मेलन को नई ऊंचाईयां प्रदान कीं। उनका श्रृंगार गीत मद भरी रात को प्यार की बात को चांदनी में नहाकर निखरने तो दो एवं अयोध्या में अगर ढूंढो तो श्रीराम मिलते हैं, जो वृंदावन में अगर ढूंढो हमें घनश्याम मिलते हैं, अगर काशी में ढूंढोगे तो भोलेनाथ मिल जाएं, मगर मां-बाप के चरणों में चारों धाम मिलते हैं। सुनाकर कार्यक्रम को परवान चढ़ा दिया।लोक साहित्य सम्मान से सम्मानित गीतकार एवं साहित्यकार बीकानेर के कवि राजेन्द्र स्वर्णकार ने लागी बिरखां री जड़, तड़'र तड़'र तड़, तथा उनका प्रसिद्ध गीत 'दिवटियों' सुनाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि डॉ. कैलाश मण्डेला ने श्रृंगार के बेहतरीन गीत आंगळयां री पौरां म, नैणा रा डोरां म, रम गयो, रम गयो, रम गयो रे, गम गयो, गम गयो, गम गयो रे सुनाकर सभी को रोमांचित कर दिया। उनकी हाल ही में प्रकाशित 'हेली सुणजे ए' पुस्तक में से प्रसिद्ध रचना हेली मेळो लाग्यो भारी, कांई लैवण री मन धारी सुनाकर आयोजन को शिखर पर पहुंचा दिया। इसके पश्चात सभी ने दो मिनट परम्परा अनुसार करतल ध्वनी से लोक कवि मोहन मण्डेला को श्रद्धांजलि अर्पित की। अंत में संस्थान अध्यक्ष जयदेव जोशी ने सभी का आभार प्रकट किया।

टोंक जिले में कुएं में लटका मिला किशोर का शव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के टोंक जिले में 13 वर्षीय एक लड़के की हत्या का मामला सामने आया है। किशोर की हत्या कर उसका शव कुएं में लटका दिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने रविवार को बताया कि बच्चे की पहचान अमरीश मीणा के रूप में हुई है, जो आठवीं कक्षा का छात्र था। उसके अनुसार अज्ञात आरोपी ने अमरीश की हत्या कर दी और उसके शव को हाथ-पैर बांधकर मेहंदवास इलाके में एक कुएं में लटका दिया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि अमरीश को आखिरी बार उसके पिता ने तब देखा था जब वह खेत की ओर जा रहा था। अधिकारी ने बताया, पीड़ित के पिता ने कहा है कि उन्होंने शाम करीब पांच बजे अमरीश को साइकिल से खेत की ओर जाते हुए देखा था। उन्होंने उसे शाम को बाहर न जाने के लिए भी कहा था। लेकिन अमरीश ने कहा कि वह जल्द ही वापस आ जाएगा। जब वह नहीं लौटा, तो परिवार ने उसकी तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने कहा कि बाद में, परिवार और पड़ोसियों ने लड़के का शव कुएं में लटका हुआ पाया और उसके हाथ एवं पैर पीछे से बंधे हुए थे।उसके परिवार के सदस्यों और स्थानीय लोगों ने आरोपियों की तत्काल ि गरफ्तारी, मुआवजे और पीड़ित के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग को लेकर अस्पताल के सामने धरना दिया।

राजस्थान के 15वीं विधानसभा अध्यक्ष डॉक्टर सीपी जोशी से रविवार को वासुदेव देवनानी ने शिष्टाचार मुलाकात की।

केन्द्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से सभी पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित कराने में यह यात्रा अहम कड़ी साबित होगी : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारत सरकार द्वारा संचालित 'विकसित भारत संकल्प यात्रा अभियान' का जिला स्तरीय कार्यक्रम अलवर के प्रताप ऑडिटोरियम में आयोजित हुआ जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लाइव टेलिकास्ट के माध्यम से आमजन को संबोधित कर केन्द्र सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं से जरूरतमंदों के जीवन में आ रहे बदलाव को विकसित भारत की ओर एक अहम कदम बताया।

उप मुख्यमंत्री दीयाकुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्म निर्भर एवं विकसित भारत के संकल्प को देश के हर गरीब एवं वंचित व्यक्तियों को सशक्त कर पूरा करने में सबकी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी इसके लिए समग्र प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को पूरा करना ना केवल प्रशासन का काम है बल्कि सभी जनप्रतिनिधि, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं प्रत्येक नागरिक का दायित्व भी है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा आम जनमानस तक केंद्र सरकार की लाभकारी और कल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने के लिए शुरू की गई एक खास यात्रा है। उन्होंने बताया कि प्रचार वैन जिले के ग्रामीण क्षेत्र की प्रत्येक ग्राम पंचायत एवं स्थानीय निकायों (शहरी क्षेत्रा) में यात्रा करेगी।

उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से महिलाओं को सबसे अधिक लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालयों का निर्माण, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, जनधन योजना, जल जीवन मिशन, मुफ्त राशन योजना जैसी अनेक योजनाओं से महिलाओं को सीधा लाभ मिल रहा है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में कोरोना के संकट काल में भारत ने स्वदेशी वैक्सीन बनाई बल्कि देशवासियों को निःशुल्क वैक्सीन उपलब्ध कराकर पूरी दुनिया में देश का लोहा मनवाया। उन्होंने कहा कि कोरोना के संकट में जरूरतमंद परिवारों को निःशुल्क राशन उपलब्ध कराकर उन्हें संबल प्रदान किया गया।

डबल इंजन की सरकार बनी, अब प्रदेश के लोग हर दिन दिवाली अनुभव करेंगे : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि प्रदेश में अब डबल इंजन की सरकार बनी है। प्रदेश के लोग अब प्रतिदिन दिवाली अनुभव करेंगे। आने वाले पांच साल में प्रदेश हर क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनेगा। जोधपुर प्रवास के दौरान केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत रविवार को यहां पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत कर रहे थे। उन्होंने विकसित भारत संकल्प यात्रा के विषय में बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2014 में जो सकंल्प लिए थे। उनमें से अधिकांश संकल्प पूरे हो गए। इससे देश के करोड़ों लोगों के जीवन में परिवर्तन आया है। साढ़े तेरह करोड़ लोग गरीबी की रेखा से आगे निकले हैं। अब भारत तेजी से आगे बढ़ा है। विकसित भारत बनाने का यह आंदोलन जन आंदोलन बने। देश का प्रत्येक नागरिक अपनी भूमिका को समझकर इसके साथ जुड़े। इस चेतना को जाग्रत करने के लिए यह संकल्प यात्रा निकाली गई है।

उन्होंने बताया कि हमारा संकल्प है कि मोदी सरकार की योजनाएं सौ फीसदी लोगों तक पहुंचे। इसलिए संकल्प यात्रा के दौरान पात्र लोगों के द्वार पर जाकर वंचित लोगों का पंजीकरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री के शपथग्रहण समारोह के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे के साथ बातचीत का वीडियो वायरल होने के मामले में उन्होंने कहा कि गहलोत के साथ मेरा कोई मनभेद नहीं है। मतभेद हो सकता है। दोनों के बीच विचारधारा का अंतर है। उनका पचास साल का राजनीतिक अनुभव है। मुझे उनसे बहुत कुछ सीखना है। उन्होंने मुझे चाय पर बुलाया है, एक दिन जाकर आउंगा।

सुबह गृह नगर जोधपुर पहुंचने पर केन्द्रीय मंत्री शेखावत का एयरपोर्ट पर स्वागत किया गया। अल्प प्रवास जोधपुर आए शेखावत ने निज निवास स्थान पर गणमान्य लोगों से आत्मीय मुलाकात कर मुलाकाता की।

शुभारंभ

उदयपुर में रविवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने आज उदयपुर की वल्लभनगर विधानसभा के भटेवर में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत अभियान का शुभारंभ किया।

सूरत डायमंड बोर्स नए भारत की ताकत और संकल्प का प्रतीक है : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सूरत (गुजरात)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को यहां विशाल 'सूरत डायमंड बोर्स' परिसर का उद्घाटन करने के बाद कहा कि उनके तीसरे कार्यकाल में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़े अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय हीरा और आभूषण कारोबार के लिए दुनिया का सबसे बड़ा और आधुनिक केंद्र 'सूरत डायमंड बोर्स' नए भारत की ताकत और संकल्प का प्रतीक है।

इस मौके पर एक सभा का संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि सूरत का हीरा उद्योग आठ लाख लोगों को रोजगार दे रहा है और नए बोर्स से 1.5 लाख और नौकरियां पैदा होंगी। दुनिया के सबसे बड़े कार्यालय परिसर वाली सूरत डायमंड बोर्स (एसडीबी) इमारत 67 लाख वर्ग फुट से अधिक के क्षेत्र में फैली है और सूरत शहर के समीप खजोद गांव में स्थित है।

मोदी ने कहा, सूरत की भव्यता में एक और हीरा जुड़ गया है- कोई छोटा-मोटा हीरा नहीं बल्कि दुनिया का सबसे बेहतरीन हीरा। इस हीरे की चमक के आगे दुनिया की बड़ी-बड़ी इमारतें तक फीकी पड़ जाती हैं। जब भी कोई दुनिया में इस डायमंड बोर्स की बात करेगा तो सूरत और भारत का जिक्र आएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि सूरत डायमंड बोर्स भारतीय डिजाइन, डिजाइनर, सामग्री और अवधारणा की क्षमता दिखाता है। उन्होंने कहा, यह इमारत नए भारत की नई ताकत और संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कहा, आप सभी जानते हैं कि भारत पिछले 10 साल में 10वें स्थान से दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन गया है। अब, मोदी गारंटी देता है कि अपने तीसरे कार्यकाल में भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक होगा। उन्होंने कहा, सरकार ने अगले 25 वर्षों के लिए भी लक्ष्य तय किए हैं। हम 5-10 हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के साथ ही निर्यात को रिकॉर्ड उच्च स्तर पर रखने का लक्ष्य तय करने पर काम कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि सूरत और उसके हीरा उद्योग ने कई गुना वृद्धि की है। उन्होंने कहा कि शहर को देश के निर्यात में अपना योगदान बढ़ाने का भी लक्ष्य तय करना चाहिए जो हीरा और कीमती पत्थरों और आभूषण क्षेत्र के लिए एक चुनौती और अवसर दोनों है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया का झुकाव भारत की ओर है और देश की साख ऊंची है तथा सभी जगह उसकी चर्चा की जा रही है। उन्होंने कहा, मेड इन इंडिया एक मजबूत ब्रांड बन गया है। आपके कारोबार और आभूषण क्षेत्र को इससे लाभ मिलेगा। इसलिए मैं आपसे संकल्प लेने और इसे पूरा करने का अनुरोध करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, मेट्रो रेल सेवा, हजीरा बंदरगाह, एलएनजी टर्मिनल और मल्टी कार्गो बंदरगाह के जरिए कारोबारों की क्षमता बढ़ाने के लिए सूरत के आधुनिक बुनियादी ढांचे को और बढ़ाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि सूरत बुलेट ट्रेन के नेटवर्क पर है और वेस्टर्न डेडिकेटिड फ्रेट कॉरिडोर पर कार्य प्रगति पर है जिससे क्षेत्र का उत्तरी और पूर्वी भारत से संपर्क और मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी की इन दिनों काफी चर्चा की जा रही है और हाल में हुए विधानसभा चुनावों के कारण तो और भी चर्चा है।

मोदी ने कहा, लेकिन सूरत के लोग लंबे समय से मोदी की गारंटी के बारे में जानते हैं। सूरत के मेहनती लोगों ने मोदी की गारंटी को हकीकत बनते हुए देखा है और यह सूरत डायमंड बोर्स इसका एक उदाहरण है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह कच्चे और पॉलिश किए गए हीरों के साथ-साथ आभूषणों के व्यापार का एक वैश्विक केंद्र होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सूरत दुनिया के शीर्ष 10 सबसे तेजी से उभरते हुए शहरों में से एक है। उन्होंने कहा, लाखों युवाओं के लिए आज सूरत सपनों का शहर है। यह शहर सूचना प्रौद्योगिकी में आगे बढ़ रहा है और डायमंड बोर्स के रूप में एक विशाल इमारत मिलना एक ऐतिहासिक घटना है।

कानूनी क्षेत्र से जुड़े लोग वंचितों के लिए न्याय सुनिश्चित करें: असम के राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने न्याय प्रणाली से जुड़े लोगों से वंचितों के लिए न्याय सुनिश्चित करने का आह्वान किया है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, राज्यपाल ने शनिवार को यहां गुवाहाटी उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के 'प्लैटिनम जुबली' समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बार एसोसिएशन को कमजोर और वंचितों को कानूनी सेवाएं प्रदान करने को प्राथमिकता देनी चाहिए और न्याय प्रणाली से जुड़े लोगों को वंचितों के लिए न्याय सुनिश्चित करना चाहिए। कटारिया ने गुवाहाटी उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन की सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि इसने ऐसे वकील तैयार किए हैं जिन्होंने न केवल न्यायिक प्रणाली के शिखर पर काम किया है बल्कि कानूनी सेवाओं के व्यापक विस्तार में भी योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि यह एसोसिएशन व्यक्तिगत अधिकारों के उल्लंघन के खिलाफ सुरक्षा मुहैया कराने का काम करती है और यह सुनिश्चित करती है कि गलत काम करने वालों को उनके कृत्यों के लिए उचित सजा मिले। राज्यपाल ने संभावित अपराधियों को रोकने और समाज में जवाबदेही तथा जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देने में एसोसिएशन की भूमिका को भी रेखांकित किया।

भाजपा को हराने के लिए सपा 'इंडिया' गठबंधन के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी : शिवपाल सिंह यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुजफ्फरनगर (उप्र)/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी केंद्र एवं उत्तर प्रदेश में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हराने के लिए विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के साथ मिलकर आगामी लोकसभा चुनाव लड़ेगी।

शिवपाल यादव ने रविवार को यहां पत्रकारों से कहा, 2024 के आगामी लोकसभा चुनाव में हम भाजपा को हराएंगे। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के साथ गठबंधन के बारे में उन्होंने कहा कि बसपा (बहुजन समाज पार्टी) नेतृत्व को पहले भाजपा से दूरी बनानी चाहिए और भाजपा की 'बी' टीम के रूप में काम नहीं करना चाहिए। गठबंधन में सीट बंटवारे के बारे में पूछे जाने पर यादव ने कहा कि सीटों के बंटवारे में अभी वक्त है। उन्होंने कहा कि आने वाले चुनाव में 'इंडिया' गठबंधन के पास प्रधानमंत्री पद के लिए कई चेहरे हैं। सपा के राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि वह पार्टी को मजबूत करने के लिए मुजफ्फरनगर और सहारनपुर के दौरे पर हैं।

त्रिपुरा: अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के लिए लोगों को आमंत्रित करेगी विहिप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए त्रिपुरा के लोगों को आमंत्रित करने को लेकर राज्यव्यापी अभियान शुरू करेगी। नवनिर्मित मंदिर का उद्घाटन 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे।

विहिप त्रिपुरा प्रांत के अध्यक्ष सचिन कोलोई ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, अयोध्या से 'प्रसाद' वाले आठ पीतल के बर्तन पहले ही राज्य में लाए जा चुके हैं। बर्तन विभिन्न जिला मुख्यालयों में भेजे जाएंगे। हमारे स्वयंसेवक 22 जनवरी को राम मंदिर के उद्घाटन समारोह के वास्ते लोगों को अयोध्या जाने के लिए आमंत्रित करेंगे।

मई 2024 से शुरू हो सकता है अयोध्या मस्जिद का निर्माण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले के आधार पर मुसलमानों को अयोध्या के धन्नीपुर में दी गई जमीन पर मस्जिद का निर्माण अगले साल मई से शुरू होने की संभावना है। मस्जिद का निर्माण कर रहे 'इंडो इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन ट्रस्ट' ने अगले साल फरवरी से इस परियोजना के लिए व्यापक रूप से चंदा जुटाने के मकसद से विभिन्न राज्यों और जिलों में एक-एक प्रभारी बनाने का भी इरादा किया है।

ट्रस्ट के मुख्य न्यासी और उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष जुफर फारूकी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, अभी तक यही योजना है कि धन्नीपुर गांव में दी गई पांच एकड़ जमीन पर मस्जिद का निर्माण अगले साल मई में शुरू हो जाएगा। फारूकी ने बताया, मस्जिद का अंतिम डिजाइन फरवरी के मध्य तक मिल जाने की संभावना है। उसके बाद उसे प्रशासनिक मंजूरी के लिए प्रस्तुत कर दिया जाएगा। फरवरी में ही परिसर में 'साइट ऑफिस' खोल दिया जाएगा। उम्मीद है कि हम मई तक मस्जिद का निर्माण शुरू करने की स्थिति में आ जाएंगे।

फारूकी ने कहा कि कुछ वित्तीय बाधाओं के साथ-साथ मस्जिद के डिजाइन में आमूल-चूल बदलाव की वजह से नए सिरे से औपचारिकताएं शुरू किए जाने के कारण मस्जिद के निर्माण में देर हो रही है। उन्होंने कहा कि भारत में मस्जिद का नाम आते ही लोगों के दिमाग में एक परंपरागत मस्जिद की आकृति उभरती है और इसी वजह से ट्रस्ट द्वारा तैयार की गई मस्जिद के डिजाइन की उतनी स्वीकार्यता नहीं थी, नतीजतन ट्रस्ट ने मस्जिद का नए सिरे से डिजाइन तैयार कराया है और अब यह मस्जिद 15 हजार वर्ग फुट के बजाय करीब 40 हजार वर्ग फुट में होगी। वित्तीय सहायता के लिए चंदा इकट्ठा करने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर फारूकी ने कहा, अभी हमने जिलों में जाने के कार्यक्रम को फिलहाल रोक रखा है। अभी ट्रस्ट से जुड़ी मुंबई की टीम इस मामले पर काम कर रही है और उम्मीद है कि एक-डेढ़ महीने में ट्रस्ट के पास पर्याप्त धन आ जाएगा। दरअसल चंदा इकट्ठा करना बहुत बड़ा काम होता है और इसकी देखभाल कर पाना बहुत मुश्किल होता है।

अनुच्छेद 370 को हटाने से जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए समान अधिकार सुनिश्चित हुए: राधाकृष्णन

रांची/भाषा। झारखंड के राज्यपाल सी. पी राधाकृष्णन ने रविवार को कहा कि अनुच्छेद 370 को हटाने से जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए समान अधिकार और कर्तव्य सुनिश्चित हुए हैं।

यहां राजभवन में जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के एक समूह से बात करते हुए उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर हमेशा से हमारे देश का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। यह दुनिया की सबसे अच्छी जगहों में से एक है। उन्होंने कहा, अनुच्छेद 370 को हटाने से जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए समान अधिकार और कर्तव्य सुनिश्चित हुए हैं। अब, देशभर के लोग कश्मीर जा सकते हैं और जमीन खरीद सकते हैं। नेहरू युवा केंद्र द्वारा आयोजित 'कश्मीर यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम 2023' (वतन को जाने) के तहत जम्मू-कश्मीर के 122 युवाओं ने राजभवन का दौरा किया। उन्होंने कहा, लोग भारत आ रहे हैं और देख रहे हैं कि विकास कैसे हो रहा है। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जम्मू-कश्मीर के विकास के लिए कई प्रयास कर रहे हैं।

संसद सुरक्षा चूक : कांग्रेस ने पीएम पर भाजपा सांसद की भूमिका पर बहस से बचने का आरोप लगाया

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर संसद में सुरक्षा चूक मामले पर बहस से भागने का आरोप लगाया और कहा कि इसका कारण यह है कि सदन में कूदने वाले युवकों को प्रवेश की सुविधा देने में मैसूर के भाजपा सांसद की भूमिका पर सवाल उठाए जाएंगे। मोदी की कहा है कि संसद में सुरक्षा चूक की गंभीरता को कम करके नहीं आंका जा सकता है। प्रधानमंत्री की इस टिप्पणी के बाद विपक्षी दल कांग्रेस ने हमला बोला है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री ने आखिरकार 13 दिसंबर को लोकसभा में हुई असाधारण घटना पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। उनका (प्रधानमंत्री) कहना है कि बहस की नहीं बल्कि जांच की जरूरत है और मामले की जांच चल रही है। रमेश ने कहा, इंडिया गठबंधन के सभी दल गृह मंत्री के बयान की मांग कर रहे हैं और इसके लिए दबाव डालना जारी रखेंगे कि 13 दिसंबर को क्या हुआ, और वास्तव में यह कैसे हुआ। उन्होंने दावा किया, प्रधानमंत्री बहुत साधारण वजह से बहस से भाग रहे हैं क्योंकि 13 दिसंबर को लोकसभा में (दो युवकों के) प्रवेश को सुविधाजनक बनाने में मैसूर के भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा की भूमिका पर सवाल उठाए जाएंगे।

अरशद मदनी ने मुसलमानों को आर्थिक आधार पर आरक्षण देने का समर्थन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रमुख मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद (एएम समूह) के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि मुसलमानों को तबके (जाति) की बुनियाद पर नहीं, बल्कि समुदाय के सभी तबकों को आर्थिक आधार पर आरक्षण मिलना चाहिए।

मदनी ने कहा कि मुसलमानों के हर तबके में पिछड़े लोग हैं। उन्होंने कहा कि जिन्हें 'अशराफ' (मुस्लिमों का उच्च वर्ग) कहा जाता है, उनमें भी गरीब लोग हैं, लिहाज़ा मुस्लिमों को आर्थिक आधार पर आरक्षण मिले। उन्होंने यह भी साफ किया कि इस्लाम में 'अशराफ' जैसा कुछ नहीं है, और दावा किया कि इस तरह मुसलमानों के एक तबके को लाभ से दूर करने की कोशिश है।

कुछ नेताओं द्वारा मुसलमानों के एक वर्ग को अनुसूचित जाति श्रेणी के तहत आरक्षण देने की मांग को लेकर पूछे गए सवाल पर मदनी ने कहा, हम मुसलमानों को आर्थिक आधार पर आरक्षण देने के समर्थक हैं, (मुसलमानों के लिए) तबके की बुनियाद पर आरक्षण नहीं होना चाहिए।

उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, आप देखिए कितने फीसदी मुस्लिम सरकारी नौकरियों में हैं.. आज कितने फीसदी मुस्लिमों को सरकारी नौकरियां मिल रही हैं।

अर्शदीप सिंह और आवेश खान की आंधी में उड़ा दक्षिण अफ्रीका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोहानिसबर्ग/भाषा। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और आवेश खान की शानदार गेंदबाजी से भारत ने पहले एकदिवसीय में रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका की पारी को सस्ते में समेटने के बाद 200 गेंद बाकी रहते आठ विकेट की प्रभावशाली जीत दर्ज की। इस जीत से टीम ने तीन मैचों की शृंखला में 1-0 की बढ़त ले ली।

अपने शुरुआती तीन वनडे में एक भी विकेट लेने में विफल रहे अर्शदीप ने 10 ओवर के कोटे में 37 रन देकर पांच विकेट लिए जबकि आवेश ने आठ ओवर में 27 रन पर चार विकेट चटकाए। एक सफलता कुलदीप यादव (तीन रन पर एक विकेट) को मिली। विश्व कप के बाद अपना पहला एकदिवसीय खेल रहे भारत ने 27.3 ओवर के अंदर महज 116 रन पर दक्षिण अफ्रीका की पारी को समेटने के बाद सिर्फ 16.4 ओवर

में दो विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। राष्ट्रीय टीम के लिए पदार्पण कर रहे साई सुदर्शन ने लक्ष्य का पीछा करने के दौरान अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित करते हुए 43 गेंद में नौ चौके की मदद से नाबाद 55 रन बनाए। उन्होंने श्रेयस अय्यर के साथ दूसरे विकेट के लिए 73 गेंद में 88 रन की साझेदारी की। अय्यर ने 45 गेंद की पारी में छह चौके और एक छक्के की मदद से 52 रन बनाए।

बाएं हाथ के बल्लेबाज सुदर्शन ने तेज गेंदबाजों के खिलाफ कुछ शानदार ड्राइव और बैकफुट पंच लगाने के साथ स्पिनरों के खिलाफ कदमों का अच्छा इस्तेमाल कर यह दर्शाया की भारतीय क्रिकेट जगत में उन्हें भविष्य का खिलाड़ी क्यों माना जा रहा है।

अय्यर इस मैच के बाद टेस्ट टीम से जुड़ जाएंगे और उन्होंने भी अपने मौके का पूरा फायदा उठाकर आक्रामक बल्लेबाजी की। दक्षिण अफ्रीका के लिए एंडिले फेहलुकवायो ने 33 और सलामी बल्लेबाज टोनी डी जोरजी ने 28 रन का योगदान दिया। मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी में युवा भारतीय तेज गेंदबाजों के सामने दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज असहज नजर आए। अर्शदीप, आवेश और मुकेश कुमार (सात ओवर में बिना किसी सफलता के 46 रन) की तिकड़ी ने इस मैच से पहले कुल सात विकेट लिए थे लेकिन इस मैच में ही उन्होंने नौ विकेट साझा किए। मुकेश को हालांकि किस्मत का साथ नहीं मिला। पारी की पहली ही गेंद पर पगबाधा की उनकी अपील को मैदानी अंपायर ने खारिज कर दिया और टीम ने रिव्यू नहीं लेने का फैसला किया। रीप्ले में हालांकि रीजा हेंड्रिक्स आउट दिख रहे थे। दक्षिण अफ्रीका की टीम भारत के खिलाफ कोलकाता में अपने पिछले एकदिवसीय (विश्व कप) में महज 83 रन पर आउट हो गई थी। भारत के लिए विश्व कप फाइनल खेलने वाली टीम के सिर्फ तीन खिलाड़ी कप्तान केएल राहुल, कलाई के स्पिनर कुलदीप और मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर इस मैच का हिस्सा है। ऐसे में टीम के युवा तेज गेंदबाजों ने अपनी प्रतिभा से प्रभावित किया।

संसद की सुरक्षा में चूक गंभीर मामला : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नए संसद भवन में सुरक्षा चूक मामले पर रविवार को चिंता व्यक्त की और कहा कि यह काफी गंभीर मामला है।

बनर्जी ने दिल्ली रवाना होने से पहले यहां नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा, संसद की सुरक्षा में सेंध एक गंभीर मामला है। एक बड़ी चूक हुई...केंद्रीय गृह मंत्री पहले ही यह स्वीकार कर चुके हैं। उन्हें इसकी जांच करने दीजिए। बनर्जी ने स्वास्थ्य केंद्रों को भगवा रंग में रंगने संबंधी केंद्र के निर्देश का

जिक्र करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि पार्टी यह भी तय करने की कोशिश कर रही है कि लोगों को क्या खाना या पहनना चाहिए। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख बनर्जी विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) की बैठक में भाग लेने के लिए राष्ट्रीय राजधानी की यात्रा पर रवाना हुई हैं।

'इससे पहले वनडे में विकेट नहीं लेने के कारण दबाव में था'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोहानिसबर्ग/भाषा। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों के शृंखला के शुरुआती मुकाबले में पांच विकेट झटक कर भारत की जीत की नींव रखने वाले तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने कहा कि वह करियर के पहले तीन मैचों में विकेट नहीं लेने के कारण दबाव में थे। 'मैन ऑफ द मैच' अर्शदीप से 37 रन देकर पांच विकेट झटके जिससे दक्षिण अफ्रीका की टीम महज 116 रन पर आउट हो गई। उन्होंने अपने पहले ओवर में दो विकेट चटकाए। उन्होंने पहले पावरप्ले के अंदर चार विकेट लिए।

अर्शदीप ने कहा, मैं थोड़ा दबाव में था क्योंकि मैंने पहले कभी वनडे में कोई विकेट नहीं लिया था। पांच विकेट लेकर खुश हूं। शुरुआत में पिच से गेंदबाजों को मदद मिल रही थी। बोल्ड करने या पगबाधा करने की हमारी योजना सफल रही। उन्होंने 'मैन ऑफ द मैच' पुरस्कार लेते समय कप्तान लोकेश राहुल का शुक्रिया किया। अर्शदीप ने कहा, मेरा आत्मविश्वास थोड़ा डगमगाया हुआ था। भगवान और टीम प्रबंधन का शुक्रिया। यह सामान्य मैदानों से थोड़ा अलग है क्योंकि मेरी सांसें फूल रही थीं।

सुविचार

जिंदगी में कभी भी अपने किसी भी हुनर पे घमंड मत करना, क्योंकि पत्थर जब पानी में गिरता है तो, अपने ही वजन से डूब जाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पाक की 'राष्ट्रीय हताशा'

पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकड़ का (भारतीय) संविधान के अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त करने को बरकरार रखने वाले उच्चतम न्यायालय के फैसले के बारे में दिया गया बयान गैर-जरूरी है। यह उनकी 'राष्ट्रीय हताशा' को भी दर्शाता है। काकड़ ने पीओके की कथित विधानसभा के 'विशेष सत्र' का इस्तेमाल अपने देश की मुख्य समस्याओं से लोगों का ध्यान हटाने के लिए किया है। उनका यह कहना कि 'कश्मीर के बिना पाकिस्तान शब्द अधूरा है', अत्यंत हास्यास्पद है। काकड़ क्यों भूल जाते हैं कि पाकिस्तान एक कृत्रिम राष्ट्र है? जिन लोगों ने पाकिस्तान की मांग की थी, उन्होंने साल 1971 के इसी दिसंबर महीने में बांग्लादेश बना लिया था। आज काकड़ जिस देश के कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने हुए हैं, वह हर दशक में अपनी फर्जी पहचान तलाश करता है। जब पाकिस्तान बना था तो 'पाकिस्तानी' नेता, सैन्य अधिकारी और जनता 'अरब' बनना चाहते थे। उसके बाद वे ईरानी बनने की कोशिश करने लगे। बीच में कुछ साल ऐसे आए, जब वे तुर्क बनने की कोशिश करने लगे। चीन से यारी निभाने के चक्कर में आधे-अधूरे चीनी भी बन गए। काबुल में तालिबान के लौटने के बाद पाकिस्तानियों में 'अफगान' बनने-दिखने की होड़ शुरू हो गई थी। अब उससे भी मोहभंग हो चुका है। आयातित संस्कृति के भरोसे रहने वाले पाकिस्तानी अपनी असल पहचान के संबंध में हीन भावना से ग्रस्त हैं। वे यह मानने में शर्मिंदगी महसूस करते हैं कि उनके पूर्वज भारतीय थे। काकड़ भी इसी मानसिकता से पीड़ित हैं। अगर उनके बयानों पर गौर किया जाए तो पांचवीं कक्षा का सामान्य विद्यार्थी भी बता देगा कि उनका इतिहास का ज्ञान शून्य है। काकड़ कहते हैं कि उनके देश पर कश्मीर को लेकर तीन बार जंग थोपी गई! इस पड़ोसी देश के कार्यवाहक प्रधानमंत्री को सुनकर यह पता लगाना आसान हो जाता है कि उनके यहां शिक्षा प्रणाली की इतनी दुर्गति क्यों हुई!

काकड़ को यह भी नहीं पता कि भारत-पाक के बीच जितने भी युद्ध हुए, उनकी शुरुआत हमेशा पाकिस्तान ने की थी। चाहे साल 1947 में कबाइली लश्करों की घुसपैठ हो, साल 1965 का हमला हो, साल 1971 का हवाई हमला या फिर साल 1999 की कारगिल घुसपैठ ... हर जगह पाक ने पहल की थी, जिसके बाद भारत ने आत्मरक्षा में जवाबी हमला बोला था। काकड़ चाहें तो अपने देश के पूर्व एयर मार्शल असगर खान की किताब पढ़ लें, जिन्होंने पाक फौज की कलई खोली थी। अगर यह भी नहीं पढ़ सकें तो हमूदुर्रहमान कमीशन की रिपोर्ट ही पढ़ लें, जिसमें पाक फौज के उच्चाधिकारियों की लूट-खसोट और बुजदिली का कच्चा चिट्ठा खोला गया था। काकड़ यह कहकर पाकिस्तानियों की आंखों में धूल झोंक सकते हैं कि 'अगर तीस बार जंग थोपी जाएगी तो हम तीन सौ बार लड़ने के लिए तैयार हैं', लेकिन इस हकीकत से तो वे परिचित होंगे कि पाक फौज की हालत पतली है। उसके पास एक हफ्ते तक लड़ने के लिए भी तेल का भंडार नहीं है। खजाना खाली पड़ा है। देश में आटा, सब्जी, दवाइयों के लिए हाहाकार मचा है। क्या ऐसी स्थिति में काकड़ एक और जंग बर्दाश्त कर सकते हैं? कश्मीर मांगते-मांगते आटा मांगने की नौबत आ गई, लेकिन ये कार्यवाहक प्रधानमंत्री अपने देश की अर्थव्यवस्था पर ध्यान देने के बजाय जंगी जुनून को बढ़ावा दे रहे हैं! काकड़ यह न भूलें कि वे 'कार्यवाहक प्रधानमंत्री' हैं, जो अपने आकाओं के आशीर्वाद के कारण इस कुर्सी पर हैं। आम चुनाव के बाद उन्हें चलता कर दिया जाएगा। उनके पास कोई शक्ति नहीं है। पाक में चुनाव लड़कर आने वाले प्रधानमंत्री के पास कोई शक्ति नहीं होती तो कार्यवाहक प्रधानमंत्री के पास कितनी शक्ति होगी? काकड़ जानते हैं कि उन्हें यह कुर्सी मिलना बिल्ली के भाग्य से छींका टूटने जैसा है। इसलिए वे सरकारी खर्चे पर खूब सैर-सपाटा कर रहे हैं, नए-नए सूट पहनकर फोटो खिंचवा रहे हैं। लगे हाथ 'रावलपिंडी' से आया भाषण भी पीओके में बांच आए। काकड़ याद रखें, अगर उन्हें कश्मीर के बिना पाकिस्तान अधूरा लगता है तो हमें भी कटासराज और हिंगलाज तीर्थ के बिना भारत अधूरा लगता है। जिस दिन भारत ने इन्हें वापस पाने का संकल्प ले लिया तो पाकिस्तान का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा।

ट्वीटर टॉक

'विकसित भारत संकल्प यात्रा', ये बहुत बड़ा सपना है, बहुत बड़ा संकल्प है और अपने ही प्रयासों से हमें इस संकप्ल को सिद्ध करना है। अगर हम इस समय, 140 करोड़ देशवासी, इस मिजाज से भर जाएं कि अब हमें देश को आगे ले जाना है, हर किसी की जिंदगी बदलनी है।

-नरेन्द्र मोदी

प्रदेश के सभी राजकीय कार्यालयों में शुचिता के साथ कार्य होना चाहिए। लम्बित प्रकरणों का त्वरित निस्तारण होना चाहिए तथा कार्यालयों में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की समस्या का संवेदनशीलता एवं सम्मान के साथ समाधान होना चाहिए ।

-भजन लाल शर्मा

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं कुशल श्रमिक नेता स्व. श्री गिरधारी लाल व्यास जी की पुण्यतिथि पर मैं उन्हें कोटिशः नमन करता हूं। मजदूर एवं श्रमिक वर्ग के उत्थान के लिए आपके द्वारा दिया गया अहम योगदान समाज के लिए सदैव प्रेरणादायी रहेगा।

-गोविंद सिंह डोटासरा

प्रेरक प्रसंग

कीमती वक्त

सूरज उगने के पहले ही एक मछुआरा नदी के लिए चला। नदी किनारे पहुंचकर उसने अपने पैरों के नीचे कुछ महसूस किया। वह छोटे-छोटे पत्थरों से भरा एक थैला था। उसने वह थैला उठाया, अपना जाल एक ओर रखा और सूरज निकलने के इंतजार में बैठ गया। करने को और कुछ न मिलने पर उसने थैले से एक पत्थर निकाला और उसे पानी की ओर उछाल दिया। फिर उसने दूसरा पत्थर फेंका और फिर तीसरा। जब तक सूरज निकला, वह एक पत्थर छोड़कर सारे पत्थर फेंक चुका था। धुंधली रोशनी में उसने अपने हाथ में उस अंतिम पत्थर को देखा। उसे देखकर वह दुखी हो गया। उसने देखा कि उसके हाथ में बचा हुआ वह अंतिम पत्थर एक कीमती पत्थर था। उसे दुःख हुआ कि वह बगैर सोचे-समझे उन कीमती रत्नों को फेंकता रहा। वक्त उन्हीं कीमती पत्थरों की तरह है, जिन्हें लोग बगैर सोचे-समझे जाया करते रहते हैं।

सामयिक

विकसित भारत के सपने

डॉ. सत्यवान सौरभ
मोबाइल : 9466526148

आधी रात को, जब दुनिया सोती है, भारत जीवन और स्वतंत्रता के लिए जागेगा। जवाहरलाल नेहरू का यह ट्रिस्ट विद डेस्टिनी भाषण उस सपने का प्रतीक था जिसे हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने पूरा किया था। इसने हमें, भारत के लोगों द्वारा पालन किए जाने वाले अगले सपने का विजन भी दिया। भारत के बारे में गांधी का दृष्टिकोण हमारे देश के आत्मनिर्भर विकास के लिए घरेलू औद्योगीकरण को बढ़ावा देना था। उनका विचार था कि ग्रामीण भारत भारत के विकास की रीढ़ है। यदि भारत को विकास करना है, तो ग्रामीण क्षेत्र का भी समान विकास होना चाहिए। वह यह भी चाहते थे कि भारत गरीबी, बेरोजगारी, जाति, रंग पंथ, धर्म के आधार पर भेदभाव जैसी सभी सामाजिक बुराइयों से मुक्त हो, और सबसे महत्वपूर्ण रूप से निचली जातियों (दलितों) के खिलाफ अस्पृश्यता को समाप्त करे जिन्हें वह 'हरिजन' कहते हैं।

ये दर्शन भारत के तत्कालीन समाज के सामाजिक स्तर को दर्शाते हैं। स्वतंत्रता के 75 वर्षों के बाद भी हम अभी भी इन सामाजिक मुद्दों को भारत में कायम पाते हैं। हमारे संविधान की प्रस्तावना भारत को संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक और गणतंत्र देश के रूप में निर्दिष्ट करती है। आइए देखें कि इस परिभाषा को सच करने के लिए हमने भारत के नागरिक के रूप में अपने सपने को कैसे पूरा किया है। 100 वर्षों के स्वतंत्रता संग्राम के बाद हम इस सपने को साकार करने में सक्षम हुए हैं। शीत युद्ध के दौर में भी जब दो महाशक्तियां अमेरिका और सोवियत संघ एक-दूसरे का मुकाबला करने के लिए गठबंधन बना रहे थे, हमने अपनी संप्रभुता को बनाए रखने के लिए किसी भी गठबंधन में शामिल नहीं होने के लिए गुटनिरपेक्षता का विकल्प चुना। यद्यपि संयुक्त राष्ट्र द्वारा उपनिवेशवाद पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, लेकिन नव-उपनिवेशीकरण के समान अंतरराष्ट्रीय दुनिया में अपनी जड़ें जमा रहा है।

नव उपनिवेशीकरण को अन्य राज्यों द्वारा राज्यों की नीतियों पर अप्रत्यक्ष नियंत्रण के रूप में परिभाषित किया गया है। हाल ही में हमने भारत और अन्य अविकसित देशों जैसे अमेरिका द्वारा संयुक्त राष्ट्र में आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) बीजों को पेश करने और विकसित देशों से कृषि आयात के लिए बाजार को उदार बनाने के लिए दबाव देखा है। जीएम बीज कृषि का निजीकरण करते हैं और इस प्रकार मिट्टी की गुणवत्ता के साथ-साथ भारत के किसानों की सामाजिक स्थिति के लिए बहुत बड़ा खतरा पैदा करते हैं। भारतीय मिट्टी के अनुकूल बीजों के विकास में अनुसंधान पर अमेरिका द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत को लगातार निशाना बनाया गया है।

भारत की संप्रभुता के लिए खतरे का अन्य उदाहरण वैश्विक आतंकवाद के माध्यम से है। भारत 26/11 और पठानकोट में उग्रवादियों द्वारा किए गए हमले का गवाह रहा है। बोडोलैंड की मांग के लिए असम अलगाववादी आंदोलन से भारत नक्सलियों और पूर्वोत्तर में उग्रवादियों से उग्रवादी गतिविधियों का भी सामना करता है। इन गतिविधियों से निर्दोष जीवन की हानि होती है और सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचता है जिससे देश के विकास में बाधा उत्पन्न होती है। इस सपने को जिंदा रखने के लिए हमें इन गतिविधियों के खिलाफ एकता दिखानी होगी। इंटरनेट पर एकाधिकार करने के लिए फेसबुक के खिलाफ भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के फैसले का उदाहरण भारत के लोगों द्वारा मजबूत सर्वसम्मत अस्वीकृति के कारण था।

हमारे पहले प्रधान मंत्री देश की योजना और विकास में सरकार की महत्वपूर्ण भूमिका के विचार के थे। उद्योगों का उदारीकरण 1991 के बाद ही हुआ, लाइसेंस राज खत्म हुआ। हाल ही में हमने भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के माध्यम से धन का प्रवाह देखा। अगर हम करीब से देखें तो हमने भारत के अधिकतम क्षेत्रों में 100 प्रतिशत एफडीआई नहीं खोला है। बाजार का निजीकरण निस्संदेह गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के साथ समाज में सर्वश्रेष्ठ प्रतिस्पर्धा प्रदान करता है। लेकिन अगर हम इसे अपनाते हैं, तो बाजार में केवल उन्हीं उत्पादों की आपूर्ति होगी जिनकी मांग है और जिससे वे अन्य आवश्यक आपूर्तियों की उपेक्षा करते हुए लाभ कमा सकते हैं। साथ ही समाजवादी समाज का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के लिए समान परिणाम प्राप्त करना, नौकरियों में समान अवसर प्रदान करना, न्यूनतम मजदूरी प्रदान करना और भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि जैसी बुनियादी आवश्यकताओं को प्रदान करना है। वर्तमान में भारत गरीबी, अस्वस्थता, बेरोजगारी, भेदभाव के कारण दुर्व्यवहार, खराब शिक्षा आदि के कारण जागरूकता की कमी आदि से पीड़ित वंचितों की सबसे बड़ी संख्या वाला देश है। इन सामाजिक मुद्दों पर अंकुश लगाने के लिए सक्रिय रूप से संगठनों का गठन करते हुए हमें भारत के नागरिक के रूप में सरकार द्वारा बनाई गई नीतियों को ईमानदारी से लागू करने में सक्रिय होना चाहिए।

भारत अनेकता में अपनी एकता पाता है। आजादी के बाद हुए साम्प्रदायिक दंगों के बाद भारत को यह बात समझ में आ गई कि किसी भी धर्म का पक्ष लेने से भारत को लंबे समय तक नुकसान उठाना पड़ता है। लेकिन आज भी हम समाज में धार्मिक घृणा पाते हैं। इतने सालों में हमने 1984 के सिख दंगों, 2002 के गोधरा कांड, 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों, बाबरी मस्जिद के विध्वंस और कई अन्य के रूप में सांप्रदायिक दंगे देखे हैं। धार्मिक राजनीति ने भारतीय राजनीति में अपनी जड़ें जमा ली हैं। बीफ खाने पर हालिया प्रतिबंध और 'घर वापसी', 'लव जेहाद' आदि जैसे आंदोलन धर्मनिरपेक्षता के मूल मूल्यों के खिलाफ हैं। धर्म के नाम पर कही गई बातों पर आंख मूंदकर विश्वास न करने, विवेक का पालन करने के लिए जागरूकता फैलानी चाहिए। हम इस सपने तक पहुँचने से बहुत दूर हैं लेकिन हमें हार नहीं माननी चाहिए। समाज को इन धार्मिक संस्थाओं द्वारा लगाए गए अतार्किक कटौती का विरोध करना चाहिए। इस संबंध में हम देख सकते हैं कि लोकतंत्र ने भारतीय समाज में अपनी जड़ें जमा ली हैं। संघों का सक्रिय गठन, चुनाव प्रक्रियाओं में भागीदारी में वृद्धि, विवादित परिदृश्यों का शांतिपूर्ण समाधान देश के दूर-दराज के हिस्सों में भी सक्रिय रूप से देखा जाता है।

इतने सालों के बाद हमने 105 बार संविधान में संशोधन किया है। प्राधिकारियों में निहित कई शक्तियों की फिर से जाँच की गई है और शासन के कई नए प्रावधान जोड़े गए हैं, उदाहरण के लिए पंचायती राज आदि। न्यायपालिका, कार्यपालिका, विधायिका और स्वतंत्र निकायों में निहित संतुलित शक्ति ने नागरिकों को प्रभावी ढंग से शासन में योगदान करने में मदद की है। संविधान द्वारा प्रदत्त न्याय की इस भावना को कभी नहीं भूलना चाहिए। इस मशीनरी के प्रभावी ढंग से प्रसंस्करण में विश्वास रखना चाहिए। हमने कई मौकों पर अपने सपने को टूटते हुए देखा है लेकिन फिर भी हम हर मुसीबत की स्थिति से मजबूत और आत्मविश्वास से भरे हुए हैं। स्वराज के महत्व को समझना चाहिए और इन सपनों को आगे बढ़ाने के लिए आक्रामक रूप से शुरुआत करनी चाहिए ताकि हम अपनी आने वाली पीढ़ी को भी बेहतर भविष्य प्रदान कर सकें। मैं डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के बेहतरीन उद्धरणों पर समाप्त करना चाहता हूं सपने वह नहीं हैं जो आप नींद में देखते हैं, बल्कि वह हैं जो आपको सोने नहीं देते।

मुद्दा

संसद में धुआं : कहीं साजिश तो नहीं?

सुरेश हिंदुस्तानी
मोबाइल : 9770015780

लोकतंत्र में सरकार की कार्यप्रणाली से सहमत या असहमत होना एक जायज प्रक्रिया का हिस्सा माना जाता है। रचनात्मक विरोध होना लोकतंत्र को और भी अधिक मजबूत बनाने का कार्य करता है। लेकिन अभी हाल ही में लोकसभा के अंदर जिस प्रकार से कुछ लोगों ने विरोध किया, उसे लेकर कई प्रकार के सवाल भी उठ रहे हैं। तथ्यात्मक बात यह है कि विपक्षी राजनीतिक दलों ने आरोपियों पर कार्यवाही के बजाय सरकार को निशाने पर लिया है। हालांकि यह सच भी है कि सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार की होती है। इसलिए सरकार की ओर से इस मामले जिम्मेदारी वाला व्यवहार किया जाना चाहिए, लेकिन विपक्ष का रवैया भी देश हित का होना चाहिए। क्योंकि नाकामी को लेकर राजनीति करना देश घातक होती है। देश के प्रति जिम्मेदारी सभी की है। यहां सुरक्षा में चूक तो है ही, पर आरोपियों का व्यवहार और तरीका भी पूरी तरह से अनुचित ही था।

वर्तमान में देश की सभी समस्याओं के लिए जिम्मेदार ठहराने के लिए केंद्र सरकार को निशाने पर लेना एक आम बात होती जा रही है। इसके लिए राष्ट्रीय एकता और संप्रभुता की मर्यादाओं को भी लांघने का कृत्य भी ज्यादा कदा दिखाई देता है। यह बात सही है कि विविधता वाले भारत देश में कोई एक बात सबको सही लगे, यह हो ही नहीं सकता, लेकिन लोकतंत्र यही कहता है कि उस बात को चाहने वाले अधिक हैं तो बड़ी खुशी के लिए छोटे दुख को तिरोहित कर देना चाहिए। व्यक्तिगत स्वार्थ व्यक्ति को अधिकांशतः गलत मार्ग पर ही ले जाने के लिए प्रेरित करता है। व्यक्तिगत स्वार्थ के वशीभूत होकर उठाया गया कदम कुछ हद तक सांत्वना दी सकता है, लेकिन जिससे अधिकांश समाज को लाभ मिलता है, वह आने वाले समय में हमारे लिए भी सकारात्मक प्रमाणित होता है।

विपक्ष का रवैया आरोपियों के हौसले बढ़ाने वाला है, वे आरोपियों पर नरम और सरकार पर गर्म हो रहे हैं। हालांकि यह भी सर्वथा सत्य है कि देश की संसद पर इस प्रकार का कृत्य सरकार द्वारा प्रायोजित सुरक्षा पर भी अनेक प्रकार के सवाल स्थापित करता है। विपक्ष की ओर से उठाए जाने वाले सवाल जायज हैं, लेकिन सुरक्षा के मुद्दे को राजनीतिक रूप से उठाना अत्यंत गंभीर है। विपक्षी दल के सांसद भी देश की संसद का हिस्सा हैं, इसलिए उनकी भी भारत की संवैधानिक संस्थाओं के प्रति जिम्मेदारी कम नहीं होती। सरकार के हर कदम की आलोचना करना मात्र ही राजनीति नहीं होती। राजनीति में देश भाव दिखना चाहिए।

आज देश का राजनीतिक वातावरण एक प्रकार से प्रदूषित जैसा दिखाई देता है। देश में इस राजनीतिक प्रदूषण के लिए हर राजनीतिक दल जिम्मेदार है। क्योंकि आज के राजनीतिक दल एक दूसरे को नीचा दिखाने और स्वयं को स्थापित करने की राजनीति करते दिखाई देते हैं। वास्तविकता यह है कि इस प्रकार की राजनीति किसी भी प्रकार से देश हितैषी नहीं कही जा सकती, लेकिन सवाल यह भी है की संसद की मजबूत सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देते हुए कुछ लोग असंसदीय हरकत कर देते हैं। यह घटना सरकार के सुरक्षा इंतजामों पर गहरे सवाल अंकित करती है। अगर विपक्षी दल सरकार के गृह मंत्री पर सवाल उठाते हैं तो इसमें गलत क्या है। गृह मंत्री को जवाब देना ही चाहिए। क्योंकि गृहमंत्री जवाब नहीं देंगे तो कौन देगा? यहां पर सवाल यह भी आता है कि अगर गृह मंत्री जवाब देने के लिए आते हैं तो क्या विपक्ष उनको सुनने को तैयार होगा? यह सवाल इसलिए भी उठ रहा है कि कई बार विपक्षी दल चर्चा से भागे हैं। हालांकि सुरक्षा बलों ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार होने वाले आरोपियों से पूछताछ हो रही है।

इस घटना को चाहे कुछ भी रूप दिया जाए, लेकिन इतना अवश्य कहा जा सकता है कि यह सभी मोदी सरकार के विरोधी हैं। विपक्षी दल इन आरोपियों के बारे में यह वकालत करते दिखते हैं कि वह बेरोजगारी के कारण मोदी सरकार से दुखी थे, और वे सरकार के विरोध में आक्रोश व्यक्त कर रहे थे।

परंतु विपक्षी दलों को यह भी समझना चाहिए कि क्या आक्रोश व्यक्त करने का यह तरीका ठीक था? इसका प्रथम दृष्टया उत्तर यही होगा कि विरोध करने का स्थान संसद नहीं होना चाहिए। जैसे विरोध के अन्य आंदोलन होते हैं, वैसे ही लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करना चाहिए। यहां एक सवाल यह भी आ रहा है कि जो विरोध करने वाले हैं, उनको संबल कौन दे रहा है? क्या भाजपा के वे सांसद उनको संबल दे रहे हैं, जिन्होंने उनका पास बनवाने में सहयोग किया, या फिर यह भी विरोधियों की साजिश का हिस्सा है।

चिंतन

वसुंधरा ने कैसे किया सरेंडर?

रमेश सर्राफ धमोरा
मोबाइल : 9414255034

राजस्थान में भाजपा विधायक दल के नेता के पद पर पहली बार विधायक बने भजनलाल शर्मा का चयन हो चुका है। भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री पद की व जयपुर राजघराने की दिया कुमारी तथा डॉक्टर प्रेमचंद बैरवा ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण कर ली है। इसके साथ ही राजस्थान में विधिवत रूप से भाजपा की सरकार काम करने लग गयी है। भाजपा ने विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए भी अजमेर उत्तर के विधायक वासुदेव देवनानी का नाम तय कर दिया है। निर्धारित प्रक्रिया के तहत उनका भी विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए चयन हो जाएगा। राजस्थान में भाजपा के 115 विधायक जीत कर आए हैं। इसके साथ ही कई निर्दलीय विधायकों ने भी भाजपा को समर्थन देने के संकेत दिए हैं। ऐसे में भाजपा के नए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पांच साल तक सरकार चलाने में किसी तरह की दिक्कत नहीं होने वाली है।

भजनलाल शर्मा के नेता पद के चुनाव से पहले राजनीतिक विश्लेषक आशंका जता रहे थे कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे खुद के अलावा किसी अन्य के नाम पर सहमत नहीं होगी। विधानसभा के चुनाव परिणाम आने के बाद से ही वसुंधरा राजे द्वारा अपने आवास पर विधायकों को बुलाकर लगातार शक्ति प्रदर्शन भी किया गया था। मगर जब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पर्यवेक्षक बनकर जयपुर आए तो उन्होंने मात्र दो घंटो में ही भजनलाल शर्मा को अगला मुख्यमंत्री घोषित कर वसुंधरा राजे के पूरे खेल को ही बिगाड़ कर रख दिया था। इतना ही नहीं भजनलाल के नाम का प्रस्ताव भी वसुंधरा राजे से ही करवाया गया था। विधायक दल की बैठक के दौरान राजनाथ सिंह ने अपनी जेब से एक पर्ची निकालकर वसुंधरा को दी थी। जिस पर भजनलाल शर्मा का नाम लिखा था। राजनाथ सिंह द्वारा दी गयी पर्ची पर लिखे नाम को पढ़कर एक बार तो वसुंधरा सकपका गयी थी। मगर बाद में उन्होने भजनलाल के नाम का प्रस्ताव कर दिया था।

लोगों का कहना है कि नेता पद के चयन से पहले वसुंधरा राजे व उनके समर्थक पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी, पूर्व विधायक भवानीसिंह राजावत, प्रहलाद गुंजल जैसे कई नेता व विधायक लगातार कह रहे थे कि वसुंधरा राजे जैसी अनुभवी को ही प्रदेश में तीसरी बार मुख्यमंत्री बनाना चाहिए। प्रदेश की खराब वित्तीय स्थिति का सामना वसुंधरा राजे जैसी अनुभवी नेता ही कर सकती है। उनको दो बार सरकार चलाने का अनुभव है। वह पूरे प्रदेश से अच्छी तरह वाकिफ है। मगर वसुंधरा राजे के किसी भी समर्थक की एक भी नहीं सुनी गई और भजनलाल के नाम का की घोषणा हो गई।

राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि जब जयपुर में वसुंधरा राजे विधायकों के साथ शक्ति प्रदर्शन कर रही थी। तब उनके सांसद पुत्र दुष्यंत सिंह पर भी जयपुर के एक होटल के हाड़ौती के कुछ विधायकों की बाड़ेबंदी करने की खबरें आई थी। तब भाजपा आलाकमान सतर्क हो गया और वसुंधरा राजे को दिल्ली बुलाया गया। दिल्ली में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा व गृहमंत्री अमित शाह ने वसुंधरा राजे को दो टूक शब्दों में समझा दिया था कि इस बार उनको मुख्यमंत्री नहीं बनाया जा रहा है। पार्टी नए लोगों को आगे करेगी ऐसे में आपको पार्टी का साथ देना चाहिए। चर्चा है कि पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा व अमित शाह ने वसुंधरा राजे को कड़ाई से कह दिया था कि उन्होंने एक लंबी राजनीतिक पारी खेल चुकी है। इसलिए अब उनको विश्राम करना चाहिए। यदि वह पार्टी के निर्णय के साथ रहेगी तो उनके सांसद पुत्र दुष्यंत सिंह को पार्टी में आगे बढ़ाया जाएगा। चर्चा है कि अपने पुत्र दुष्यंत सिंह जो झालावाड़ सीट से चौथी बार सांसद है। उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर वसुंधरा राजे ने पार्टी आलाकमान के निर्णय के साथ रहने में ही अपनी भलाई समझी और उन्होंने चुपचाप पार्टी के निर्देशों का पालन किया। वसुंधरा राजे का पुत्र दुष्यंत सिंह चार बार के सांसद है तथा आगे उन्हें केंद्र सरकार में मंत्री बनाए जाने की भी संभावना व्यक्त की जा रही है। बहरहाल वसुंधरा राजे ने तो अपने पुत्र के मोह में पार्टी नेतृत्व के समक्ष हथियार डाल दिए हैं। मगर उनको मुख्यमंत्री बनाने की मांग को लेकर बारां अंता के विधायक कंवरलाल मीणा, कालीचरण सर्राफ, प्रताप सिंह सिंघवी, बहादुर सिंह कोली जैसे लोग खुलकर सामने आ चुके हैं। इससे उनकी छवि जरूर पार्टी नेतृत्व के सामने दागदार हुई है। हो सकता है आने वाले समय में उन्हें पार्टी द्वारा सरकार या संगठन में कोई जिम्मेदारी भी नहीं दी जाए। पार्टी आलाकमान के निर्देश पर ही वसुंधरा राजे ने भजनलाल शर्मा के मुख्यमंत्री पद का कार्यभार ग्रहण करते समय सचिवालय जाकर उनके सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद देते कि फोटो भी खिंचवाकर आल इस वेल का सन्देश भी दे चुकी हैं। वसुंधरा इतना सब अपने पुत्र कि खातिर ही कर रही हैं। वरना उनकी विद्रोही छवि व लड़ाकू स्वभाव से हर कोई वाकिफ हैं। अब पार्टी ने भी उनके स्थान पर राजपूत नेता के तौर पर जयपुर राजधराने की दीया कुमारी को उपमुख्यमंत्री बना कर प्रदेश की राजनीति में आगे बढ़ा दिया है। दीया कुमारी उनकी तरह बड़े राजपरिवार की बेटी के साथ महिला भी हैं। दीया कुमारी राजसमंद से सांसद व दूसरी बार विधायक बनी है। उन्होने विधाधर नगर सीट पर राजस्थान में सबसे बड़ी जीत दर्ज की है। दूसरा उपमुख्यमंत्री

अनुसूचित जाति के डा. प्रेमचंद बैरवा को बनाया गया हैं। जो वसुंधरा गुट के माने जाते थे। मगर अब बैरवा सरकार में शामिल हो गये हैं। इसी तरह अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर वसुंधरा के साथ रहने वाले विधायक भी अब एक-एक कर खिसकने लगे हैं।

वसुंधरा राजे स्वयं इस समय पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष है। भाजपा में जिस तरह से आलाकमान प्रभावी है। उसको देखकर नहीं लगता है कि वसुंधरा राजे को आगे चलकर पार्टी में कोई और अधिक बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी। मौजूदा संकेतों से तो वसुंधरा राजे का राजनीतिक भविष्य गुमनामी की ओर ही जाता दिख रहा है। उनके कई समर्थकों का इस बार टिकट भी काट दिया गया। मौजूदा हालात को देखकर तो लगता है कि आने वाले समय में वसुंधरा राजे के अन्य समर्थको को भी पार्टी में प्रभावहीन कर दिया जाये तो किसी को आश्चर्य नहीं होगा। बहरहाल राजस्थान में जहां हर बार सरकार बदलने की परंपरा इस बार भी कायम रही है। वही एक बार वसुंधरा राजे एक बार अशोक गहलोत के मुख्यमंत्री बनने का सिलसिला टूट गया है। भाजपा ने वसुंधरा राजे के स्थान पर भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनकर पुरानी परंपराओं को समाप्त कर प्रदेश में एक नई राजनीति की शुरुआत की हैं। यह कितनी सफल रहेगी इसका पता तो आने वाले समय में ही चल पाएगा।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

इन खूबियों के साथ बेमिसाल है 'सूरत डायमंड बोर्स', देश-दुनिया में छाएगी इसकी चमक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सूरत/दक्षिण भारत। गुजरात के सूरत शहर में दुनिया की सबसे बड़ी कॉर्पोरेट इमारत सबका ध्यान आकर्षित कर रही है। करीब 35 एकड़ में बना 'सूरत डायमंड बोर्स' अपनेआप में अनूठा है, जिसकी खूबियां बताने के लिए सोशल मीडिया भरा पड़ा है। इस 6.6 मिलियन वर्ग फीट इलाके की चमक देश-दुनिया में छाएगी।

सूरत शहर और बेशकीमती 'हीरों' के कारोबार का गहरा संबंध है। अब यह शहर 'डायमंड बोर्स' के लिए भी दुनिया में जाना जाएगा। बता दें कि सूरत वह शहर है, जहां दुनिया के 80 प्रतिशत हीरे पॉलिश किए जाते हैं। यहां हीरा कारोबार के दिग्गज मौजूद हैं, जो अब 'डायमंड बोर्स' से इस उद्योग को नई ऊंचाइयों पर लेकर जाएंगे।

इस इमारत को डिजाइन करते हुए सुरक्षा का खास ध्यान रखा गया है। पूरे परिसर पर सीसीटीवी कैमरों की नजर रहेगी। प्रवेश द्वारों से लेकर अंडर-कार स्कैनर और निकासी द्वार तक, सब नियंत्रण कक्ष की नजर में रहेगा। यहां कई चेक पॉइंट्स भी बनाए गए हैं। इमारत में डिजिटल रूप से एकीकृत अग्नि सुरक्षा प्रणाली मौजूद है।

कारोबारियों और कर्मचारियों को विभिन्न सुविधाएं एक ही स्थान पर मुहैया कराने के लिए यहां बैठक कक्ष, भोजन स्थान, कुकिंग एरिया, कस्टम कार्यालय और बैंकिंग सुविधाओं के लिए स्थान निर्धारित किए गए हैं। यही नहीं, कारोबार के विस्तार और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ऑक्शन हाउस और डिपोजिट बॉक्स बनाए गए हैं। इमारत से यात्री कनेक्टिविटी का ध्यान रखा गया है।

आने वाले दिनों में बड़ी संख्या में वाहनों की आवाजाही को लेकर पार्किंग के वास्ते 20 लाख वर्ग फीट का बेसमेंट स्थान उपलब्ध कराया गया है। इसके रास्तों को इस तरह डिजाइन किया गया है कि आवागमन में सुविधा हो और दुर्घटना की आशंका कम हो। इसका आंतरिक भूदृश्य हरियाली से आच्छादित किया गया है, जो बहुत सुंदर दिखता है।

हीरों के कारोबार में प्राकृतिक रोशनी बहुत मायने रखती है। इमारत की डिज़ाइन में इस बात का खास ध्यान रखा गया है, ताकि सूरज की रोशनी का अधिकाधिक उपयोग किया जाए। इससे सभी कार्यस्थलों पर पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी होगी। इसमें 24 फीट चौड़ा कॉरिडोर सभी नौ स्ट्रक्चर को जोड़ेगा। यहां अनुकूल वातावरण बनाने के लिए एसी लगाए गए हैं।

ऊपरी मंजिलों पर स्पाइन कॉरिडोर में रेडियंट कूलिंग सिस्टम लगाए गए हैं। यहां कार्यालय गलियारे 8 फीट चौड़े होंगे। हर इमारत में शक्तिशाली लिफ्टें लगी हुई हैं। यहां मौसम के अनुसार ठंडा-गर्म पानी उपलब्ध होगा। इमारत में प्रकृति की शक्ति के कुशल उपयोग पर जोर दिया गया है।

बांग्लादेश का मुक्ति संग्राम भारत के साथ उसके संबंधों का आधार है: भारतीय राजदूत

ढाका/भाषा। भारत एक स्थिर, प्रगतिशील और समृद्ध राष्ट्र के बांग्लादेश के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए बांग्लादेश के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार है और 1971 का मुक्ति संग्राम दोनों देशों के बीच संबंधों का आधार रहा है। बांग्लादेश में भारत के राजदूत ने यह बात कही।

बांग्लादेश की राष्ट्रीय समाचार एजेंसी बीएसएस ने भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा के हवाले से कहा, यह हमारे लिए अपनी दोस्ती को संजोने और 1971 की भावना को संरक्षित करने व बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दोहराने का समय है, जो हमारे संबंधों का आधार बनी हुई है। वर्मा ने विजय दिवस पर अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए शनिवार को कहा कि मुक्ति संग्राम और लोगों की जीत बांग्लादेश की आजादी के लिए दोनों देशों के साझा बलिदान का प्रतीक है और दिल्ली व ढाका के बीच समय की कसौटी पर परखी गई दोस्ती का प्रमाण है।

अवैध प्रवासन से यूरोप के प्रभावित होने का खतरा, अंतरराष्ट्रीय कानून में बदलाव का समय आ गया : सुनक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने इटली की अपनी आधिकारिक यात्रा के दौरान आगाह किया है कि अवैध प्रवासन से यूरोप के प्रभावित होने का खतरा है। उन्होंने संकेत दिया कि अब अंतरराष्ट्रीय कानून को नया रूप देने का समय आ गया है। सुनक ने शनिवार को रोम में एक कार्यक्रम में यह चेतावनी भी दी कि दुश्मन यूरोपीय समाज को अस्थिर करने की कोशिश के तहत जानबूझकर लोगों को हमारे तटों पर लाकर आप्रवासन को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। सुनक इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की दक्षिणपंथी पार्टी 'ब्रदर्स ऑफ इटली' द्वारा आयोजित एक राजनीतिक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

सुनक ने कहा, अगर हम इस (अवैध प्रवासन) समस्या से नहीं निपटते हैं, तो इसकी संख्या बढ़ती जाएगी। उन्होंने कहा, इससे हमारे देशों और उन लोगों की मदद करने की हमारी क्षमता प्रभावित होगी जिन्हें वास्तव में हमारी मदद की सबसे अधिक आवश्यकता है। यदि इसके लिए हमें अपने कानूनों में बदलाव और युद्ध के बाद के परिवेश में आप्रवासन को लेकर अंतरराष्ट्रीय वार्ता का नेतृत्व करने की आवश्यकता हुई, तो हमें ऐसा करना चाहिए। क्योंकि अगर हमने अभी इस समस्या का समाधान नहीं किया, तो नौकाओं में सवार होकर आ रहे लोगों की जानें जाती रहेंगी।

सुनक ने कहा, आपराधिक गिरोह अपने धंधों को चलाने के लिए हमेशा सस्ते तरीके खोजते रहेंगे।

प्रौद्योगिकी चक्रव्यूह में घिर सकता है चीन, सरकारी थिंक-टैंक ने दी चेतावनी

बीजिंग/भाषा। अमेरिका के साथ जारी प्रौद्योगिकी युद्ध के बीच चीन इस मोर्चे पर एक चक्रव्यूह में घिर सकता है। चीन के एक शीर्ष सरकारी थिंक टैंक ने यह चेतावनी देते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी क्षेत्र में बढ़ती रोकथाम से निपटने के लिए अगर नए निवेश और वैज्ञानिक नवाचार को बढ़ावा नहीं दिया गया, तो देश मध्य-प्रौद्योगिकी व्यूह में फंस जाएगा। चाइनीज एकेडमी ऑफ साइंसेज ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा, चीन का विनिर्माण क्षेत्र अभी भी वैश्विक मूल्य श्रृंखला के निचले स्तर पर है, और इसे अमेरिका, जर्मनी और जापान जैसे विकसित देशों से बाधा का सामना करना पड़ सकता है। रिपोर्ट में कहा गया, बाद में विकसित होने वाले देशों को आमतौर पर औद्योगिक उन्नयन और उच्च आय वाला देश बनने में कठिनाई होती है, क्योंकि उनके पास मूल तकनीकी की कमी होती है। यह रिपोर्ट अमेरिका के प्रौद्योगिकी प्रतिबंध लगाने के बीच आई है, जिसके चलते चीन के विनिर्माताओं के लिए मूल्य श्रृंखला में आगे बढ़ना कठिन होता जा रहा है।

सम्मेलन

जम्मू में जेएके मामलों की प्रभारी रजनी पाटिल के साथ जेएके कांग्रेस नेता रविवार को जम्मू में पार्टी के सम्मेलन में भाग लेते हुए।

एडवांस बुकिंग में सालार से पिछड़ी डंकी

मुंबई/एजेन्सी

क्रिसमस के मौके पर बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त क्लैश देखने के लिए मिलने वाला है। क्रिसमस 2023 के मौके पर दो बड़ी फिल्में 'डंकी' और 'सालार' रिलीज होने वाली हैं। शाहरुख खान की फिल्म 21 दिसंबर और प्रभास की फिल्म 22 दिसंबर को रिलीज की जाएगी। दोनों ही फिल्मों का बोलबाला अभी से ही देखने के लिए मिल रहा है। ऐसे में इनके बीच जबरदस्त घमासान देखने के लिए मिलने वाली है। विदेशों के बाद अब इंडिया में भी इनकी एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है। भारत में 'डंकी' और 'सालार' की एडवांस बुकिंग 16 दिसंबर को शुरू हुई है। इसके शुरुआती आंकड़े भी सामने आ गए हैं। सैकनिल्क की रिपोर्ट की मानें तो शाहरुख खान की फिल्म एडवांस बुकिंग के मामले में प्रभास की 'सालार' से पीछे है। एडवांस बुकिंग में 'डंकी' थोड़ी सुस्त पड़ती नजर आ रही है। 'पठान' और 'जवान' की हिट के बाद 'डंकी' से लोगों को काफी उम्मीदें हैं। शुरुआती आंकड़ों में बताया जा रहा है कि शाहरुख खान की फिल्म के लिए केवल 3 हजार टिकट ही बिके हैं।

इसके साथ ही अगर प्रभास की फिल्म 'सालार' की बात की जाए तो भारत में इसकी एडवांस बुकिंग भी शुरू हो चुकी है। हालांकि, अभी केवल साउथ की भाषाओं में ही एडवांस बुकिंग चल रही है। हिंदी में अभी बुकिंग्स को ओपन नहीं किया गया है। भले ही अभी हिंदी में ओपनिंग बाकी है, लेकिन साउथ में ही फिल्म अच्छा खासा प्रदर्शन रिलीज से पहले ही कर रही है। 'सालार' की 'डंकी' से ज्यादा टिकटें बिकी हैं। सैकनिल्क की रिपोर्ट की मानें तो तेलुगु, मलयालम और तमिल में इसके 22 हजार से ज्यादा टिकटें बुक हो चुकी हैं। इसके 50 लाख तक के टिकट बिक चुके हैं। तेलुगु में फिल्म की सबसे ज्यादा टिकटें 17 हजार बिकी हैं।

अब अगर बॉक्स ऑफिस पर दोनों फिल्मों के हाल के बारे में बात की जाए तो आपको बता दें कि साल 2023 शाहरुख खान के लिए काफी अच्छा साबित हुआ है। उनकी दो फिल्में 'पठान' और 'जवान' हिट रही थी। दोनों फिल्मों ने रिकॉर्ड तोड़ कमाई की थी। अब उनकी 'डंकी' से भी लोगों को काफी उम्मीदें हैं। वहीं, प्रभास के लिए 2023 कुछ खास नहीं रहा है। उनकी फिल्म 'आदिपुरुष' फ्लॉप साबित हुई थी। अब 'सालार' से सभी को काफी उम्मीदे हैं।

दोनों स्टार्स की अपनी अलग फैन फॉलोइंग है। किंग खान एक्शन के बाद अब रोमांटिक किरदार में नजर आने वाले हैं। इसमें उन्हें देखने के लिए फैंस बेताब हैं। वहीं, प्रभास की साउथ के साथ हिंदी में भी फैन फॉलोइंग है। उनको लेकर भी लोगों में अच्छी खासी एक्साइटमेंट है। ऐसे में देखना दिलचस्प होने वाला है कि बॉक्स ऑफिस पर बाजी कौन मारता है। इससे एक बात तो जाहिर है कि इनके बीच कांटे की टक्कर देखने के लिए मिलने वाली है।

विक्रांत मेस्सी को लेकर वेबसीरीज बनाएंगे राजकुमार हिरानी

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड फिल्मकार राजकुमार हिरानी, विक्रांत मेस्सी को लेकर इबर सुरक्षा से जुड़े विषय पर वेबसीरीज बनाने जा रहे हैं। राजकुमार हिरानी निर्देशित फिल्म डंकी 21 दिसंबर को रिलीज होने जा रही है। राजकुमार हिरानी ने अपनी पहली वेब सीरीज पर भी काम करना शुरु कर चुके हैं।इस वेब सीरीज में विक्रांत मेस्सी की मुख्य भूमिका होगी। विक्रांत मेस्सी की भूमिका साइबर क्राइम विशेषज्ञ की होगी। राजकुमार हिरानी इस वेबसीरीज से बतौर निर्माता जुड़ रहे हैं। वेब सीरीज का निर्देशन अमित सत्यवीर सिंह करेंगे। यदि सब कुछ सही रहा तो विक्रांत मेस्सी अगले साल जनवरी के मध्य से इस शो की शूटिंग शुरु कर देंगे। टीम की योजना करीब दो महीनों के शेड्यूल में शो की पूरी शूटिंग करने की है।

पटना में रविवार को बिहार पुलिस सब-इंस्पेक्टर (एसआई) भर्ती परीक्षा में शामिल होने के लिए उम्मीदवारों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश करने से पहले सुरक्षा जांच से गुजरना पड़ा।

इंडियन पुलिस फोर्स में सिद्धार्थ मल्होत्रा, विवेक ओबेरॉय के साथ अच्छी केमेस्ट्री : शिल्पा शेट्टी

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी का कहना है कि सिद्धार्थ मल्होत्रा और विवेक ओबेरॉय के साथ उनकी बहुत अच्छी केमेस्ट्री है जो उनकी आने वाली वेबसीरीज इंडियन पुलिस फोर्स में नजर आयेगी। रोहित शेट्टी की वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स में शिल्पा शेट्टी कुंद्रा, सिद्धार्थ मल्होत्रा और विवेक ऑबराय नजर आने वाले हैं। शिल्पा शेट्टी ने सोशल मीडिया पर एक इंटरैक्टिव सेशन के दौरान अपने सह-कलाकार सिद्धार्थ मल्होत्रा ङ्गङ्गऔर विवेक ओबेरॉय के साथ काम करने के अपने अनुभव को शेयर किया है।

शिल्पा ने इंस्टाग्राम पर आस्क मी एनीथिंग सेशन आयोजित किया, जहां एक प्रशंसक ने उनसे सिद्धार्थ मल्होत्रा ङ्गङ्गऔर विवेक ओबेरॉय के साथ काम करने के उनके अनुभव के बारे में पूछा। शिल्पा ने जवाब में कहा,यह एक अद्भुत अनुभव था। सिड और विवेक दोनों अभिनेताओं के साथ मेरी पहली आउटिंग। दोनों बहुत अलग हैं। सिड काम से काम रखता है। वो जैसा दिखता है वैसा ही है। मुझे वो पसंद है। उसकी खासियत ये है कि वो अपने आप को एक पल में बदल सकता है। विवेक और मैं एक-दूसरे को सालों से जानते हैं। इसलिए, हम बस एक साथ बैठते हैं और बात करते हैं। लेकिन एक बात जो दोनों अभिनेताओं के साथ कॉमन रही वह यह थी कि उन्होंने वही किया जो उनसे कहा गया था। मुझे लगता है कि हम तीनों के बीच बहुत अच्छी केमिस्ट्री है जो इंडियन पुलिस फोर्स में देखने को मिलती है। 'इंडियन पुलिस फोर्स' 19 जनवरी 2024 को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज की जायेगी।

मैं जितनी भी फिल्में बनाता हूँ, वे हमेशा किरदारों के मानवीय पहलू पर जोर देती हैं : जेम्स वान

नई दिल्ली/एजेन्सी

निर्देशक जेम्स वान और एक्वामैन- जेसन मोमोआ के साथ पैट्रिक विल्सन, एम्बर हर्ड, याह्या अब्दुल-मतीन खख और निकोल किडमैन अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली डिटेक्टिव कॉमिक्स फिल्म 'एक्वामैन एंड द लॉस्ट किंगडम' के अगले चैप्टर की पेशकश करने के लिए तैयार हैं। वार्नर ब्रदर्स पिक्चर्स द्वारा इस फिल्म को 21 दिसंबर, 2023 को पूरे भारत में अंग्रेजी, हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में रिलीज़ किया जाएगा। ब्लैक मंटा पहली बार एक्वामैन को हराने में असफल रहता है, लेकिन अभी-भी अपने पिता की मौत का बदला लेने की इच्छा उसमें कम नहीं हुई है। ऐसे में, एक्वामैन को हमेशा के लिए हराने में वह कोई भी कसर नहीं छोड़ेगा। इस बार ब्लैक मंटा को पहले से कई गुना अधिक शक्तिशाली रूप में देखा जाएगा। उसके पास पौराणिक ब्लैक ट्राइडेंट की ताकत है, जो काफी पुरानी और दुर्भावनापूर्ण शक्ति को उजागर करती है। उसे हराने के लिए, एक अप्रत्याशित गठजोड़ के रूप में एक्वामैन अपने कैदी भाई ओर्म की ओर रुख करेगा, जो अटलांटिस का पूर्व राजा रह चुका है। अपने राज्य की रक्षा करने और एक्वामैन के परिवार एवं दुनिया को विनाश से बचाने के लिए, उन्हें मिलकर अपने मतभेदों को दूर करते हुए देखा जाएगा।

एक्वामैन की दुनिया में लौटने और फिल्म के कथानक तथा किरदारों के बारे में बात करते हुए, निर्देशक जेम्स वान कहते हैं, मैं जितनी भी फिल्में बनाता हूँ, वे हमेशा किरदारों के मानवीय पहलू पर जोर देती हैं, फिर चाहे शैली कोई भी हो। एक्वामैन एंड द लॉस्ट किंगडम आर्थर की कहानी को आगे बढ़ाती है, जो अब अपने राज्य और परिवार दोनों की रक्षा के लिए अटलांटिस के राजा के रूप में अपने कर्तव्यों का पालन कर रहा है। जबकि हमारी पिछली फिल्म एक प्रेम कहानी थी, जो आर्थर पर केंद्रित थी, इस बार दर्शकों को दो भाइयों, आर्थर और ऑर्म के साथ एक एक्शन एडवेंचर देखने को मिलेगा, जो दुनिया को बचाने के लिए अपने आपसी मतभेदों पर काबू पाते हैं। उन्हें एकजुट होकर बेहद शक्तिशाली ब्लैक मंटा से लड़ाई लड़ते देखा जाएगा, जिसके पिता के प्रति प्रेम और प्रतिशोध की आग ने उसे उसका सबसे बुरा रूप अपनाने पर मजबूर कर दिया है।

उन्होंने आगे कहा, हम सिर्फ कहानी और इसके पात्रों का विस्तार ही नहीं करना चाहते थे, बल्कि दर्शकों को और भी अधिक गहन और रोमांचक अनुभव देना चाहते थे। मैं एक्वामैन की दुनिया में वापसी को लेकर बेहद रोमांचित था, क्योंकि एक्वामैन में जेसन, पैट्रिक, एम्बर, याह्या और निकोल जैसे कलाकार शामिल हैं, जिन्होंने न सिर्फ फिल्म के किरदारों को यादगार और सम्मोहक बनाया, बल्कि हमारे पूरे समूह और रचनात्मक टीम के साथ मिलकर एक आकर्षक और अविस्मरणीय दुनिया का सृजन करने में भी मदद की। लेकिन अब, फिल्म अपने में बहुत कुछ नया शामिल करती है और इसकी दुनिया बहुत बड़ी है। अटलांटिस और भी बड़ा, उज्ज्वल, अधिक रंगीन और अधिक जीवंत है। हालाँकि, आर्थर और ऑर्म एक ऐसी खोज पर हैं, जो उन्हें एक पूरी तरह से नई जगह 'द लॉस्ट किंगडम' में ले जाएगी। अंटार्कटिका एक प्रेरणादायक परिदृश्य की तरह प्रतीत होता है, जो परिचित तो है, लेकिन एक ऐसी जगह है, जहाँ हममें से अधिकांश लोग नहीं गए हैं और इससे मुझे इसका एक उन्नत संस्करण तलाशने में मदद मिलेगी।

उन्होंने आगे कहा, मैं इस साम्राज्य का सृजन करने के लिए बहुत उत्साहित था, जो अन्य नई दुनियाओं के साथ ही साथ इस फिल्म में एक पूरी तरह से नया विज़ुअल एलिमेंट है। और मैं दावे के साथ कह सकता हूँ कि यह मेरी कुछ सिग्नेचर क्रिएशन्स वाली फिल्म्स में से एक होगी। दर्शकों के मनोरंजन के लिए फिल्म में नए और बुरे जीवों को शामिल किया गया है। लेकिन इसके केंद्र में आर्थर / एक्वामैन के साथ ही नायक के रूप में जेसन के तमाम तरह के सिग्नेचर चार्म, आकर्षण और हास्य शामिल हैं। भले ही एक्वामैन सिंहासन पर बैठता है, लेकिन फिर भी संपूर्ण अटलांटिस का नेतृत्व करने के रूप में वह अभी-भी ऐसा व्यक्तित्व रखता है, जो अपनी दो भूमिकाओं पिता और राजा को इस साहसिक और विस्तृत नई दुनिया में बनाए रखने के लिए दृढ़ता से काम कर रहा है।

जेसन मोमोआ ने आर्थर करी / एक्वामैन की भूमिका निभाई है, जो अब अटलांटिस के राजा और पिता दोनों के रूप में अपने कर्तव्यों का पालन कर रहा है; पैट्रिक विल्सन ने ऑर्म का किरदार निभाया है, जो एक्वामैन का सौतेला भाई और उसका शत्रु है, जो अपनी इच्छा के बिना अपने भाई के सहयोगी के रूप में एक नई भूमिका में कदम रखेगा; एम्बर हर्ड ने मेरा की भूमिका निभाई है, जो अटलांटिस की रानी हैं और सिंहासन के उत्तराधिकारी की माँ हैं; याह्या अब्दुल-मतीन खख ने ब्लैक मंटा का किरदार निभाया है, जिसमें एक्वामैन, उसके परिवार और अटलांटिस को नष्ट करके अपने पिता की मौत का बदला लेने की आग पहले से कहीं अधिक है; और निकोल किडमैन ने एटलाना की भूमिका निभाई है, जो एक उग्र नेता और एक योद्धा के दिल वाली माँ हैं। साथ ही, डॉल्फ लुंडग्रेन- किंग नेरेस के रूप में और रान्डेल पार्क- डॉ. स्टीफन शिन के रूप में अपने किरदारों में एक बार फिर से वापसी कर रहे हैं।

'इक्कीस' में काम करेंगे अगस्त्य नंदा!

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा फिल्म इक्कीस में काम करते नजर आ सकते हैं। अगस्त्य नंदा ने फिल्म द आर्चीज से बॉलीवुड में डेब्यू किया है।अगस्त्य नंदा अब फिल्मकार श्रीराम राघवन की फिल्म इक्कीस में काम करते नजर आ सकते हैं।यह फिल्म सेकेंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल की बायोपिक होगी।वह महज 21 साल की उम्र में साल 1971 में हुए भारत-पाकिस्तान युद्ध में शहीद हो गए थे।

मरणोपरांत परमवीर चक्र से उन्हें सम्मानित किया गया था। श्रीराम राघवन में 21 साल की उम्र की भूमिका के लिए किसी युवा अभिनेता की तलाश में थे। कहा जा रहा है कि दिसंबर के आखिर और जनवरी के शुरुआती 15 दिन अगस्त्य स्क्रिप्ट रीड़िग, रिहर्सल और वर्कशाप करने वाले हैं।श्रीराम राघवन का मानना है कि अगस्त्य नंदा इस रोल में बिल्कुल फिट हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | सोमवार | 18-12-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के मनवरतपेट स्थित मधुबेन चोथालाल परिवार द्वारा निर्मित श्री सुमतिनाथ जैन मंदिर का 20वां वार्षिक ध्वजारोहण मुनिश्री तीर्थनंदनविजयजी की निश्रा में सम्पन्न हुआ।

गुरु की भक्ति जीवन में कभी निष्फल नहीं होती है : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्रदुर्गा। बेंगलूरु से दावणगेरे की ओर विहार करते हुए रास्ते में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि गुरु के बिना जीवन में शिष्य का कल्याण नहीं हो सकता है। गुरु ही होता है जो शिष्य को सुयोग्य बनाता है और उसे अच्छे-बुरे की सीख देता है। हमें अपने गुरु के प्रति हमेशा समर्पण भाव रखना चाहिए। गुरु की भक्ति जीवन में कभी निष्फल नहीं होती है। गुरु का आशीर्वाद जिसको मिल जाए उसका जीवन सफल हो जाता है।

साध्वी शीतलगुणाश्रीजी ने कहा कि दुनिया में जब तक हमारी सांस चल रही है सभी अपने है। आत्मा के देह छोड़ने पर सांसों की डोर थमते ही अपने भी पराये हो जाते है। हमारे जीवन का लक्ष्य अधिकाधिक धर्म करना होना चाहिए। अपनत्व की भावना रखने पर जीवन नई उंचाइयों पर पहुंच सकता है। हमें ऐसा कार्य जीवन में करना चाहिए कि जाने के बाद भी दुनिया याद रखे। पारस भंसाली ने बताया कि सिमंधर स्वामी राजेंद्रसूरी संघ मामूलपेट संघ से कांतिलाल गांधीमुथा, कीर्तिकुमार बंदामुथा, महावीर जैन, मुकेश जैन, सुपार्श्वनाथ जैन संघ दावणगेरे अध्यक्ष छगनलाल शाह आदि ने साध्वीश्री के दर्शन का लाभ लिया।

कटगनहल्ली में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन कल से, तैयारियां पूरी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के बागलूरु स्थित कटगनहल्ली पेट्रोल पम्प के सामने विस्टा होटल के पास के भूखंड पर श्रीमद् भागवत अमृत कथा का आयोजन 19 से 25 दिसम्बर तक किया गया जिसमें वृंदावन धाम के आचार्यश्री संजयकृष्ण किंकर अपने मुखारबिंद से कथा का वाचन करेंगे। संयोजक पंडित प्रभाकर द्विवेदी ने बताया कि कथा रोजाना शाम 5 बजे से प्रारंभ होगी। सहयोगी जटाशंकर ने बताया कि कल सुबह 10 बजे पोथी की शोभायात्रा निकाली जाएगी तथा 25 दिसम्बर को कथा की पूर्णाहुति होगी। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं को कथा में शामिल होने का निवेदन किया है।

सुमतिनाथ जैन मंदिर के शिखर पर धूमधाम से हुआ वार्षिक ध्वजारोहण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मनवरतपेट स्थित मधुबेन चोथालाल परिवार द्वारा निर्मित श्री सुमतिनाथ जैन मंदिर का 20वां वार्षिक ध्वजारोहण मुनिश्री तीर्थनंदनविजयजी की निश्रा में सम्पन्न हुआ। ध्वजा के लाभार्थी प्रकाशकुमार धीरजकुमार परमार परिवार ने शोभायात्रा के साथ मंदिर में प्रवेश किया तथा साधु संतों ने ध्वजा पर वासक्षेप किया। मंदिर में सत्तरभेदी पूजन के बाद मंदिर के शिखर धूमधाम व विधि विधान से ध्वजारोहण किया गया। इस मौके पर मुनिश्री कहा कि मंदिर में पूजा करने से ज्यादा मंदिर में दर्शन करने वालों की संख्या ज्यादा होती है औरर मंदिर में दर्शन करने वालों से मंदिर की ध्वजा का दर्शन करने वाले ज्यादा होते है। मंदिर की ध्वजा का दर्शन करने से 30 उपवास का पुण्य मिलता है। आगामी 21वीं ध्वजारोहण का लाभ मनोहरमल काना धुम्बड़िया परिवार को प्राप्त हुआ। इस मौके पर बड़ी संख्या में पुरुष व महिला श्रद्धालु उपस्थित थे। पूजन की सम्पूर्ण विधि विक्रमगुरुजी द्वारा करवाई गई और संगीतकार कमलेश एंड पार्टी ने भजनों की प्रस्तुति दी।

गुरुदेव इकतीसा के जाप में गूंजे गुरु के जयकारे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में जिनदत्त कुशलसूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल बसवनगुडी द्वारा युगप्रधान दादा गुरुदेव का चमत्कारी इकतीसा का पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने सभी का स्वागत किया।

मंडल के मंत्री ललित डाकलिया ने जानकारी देते हुए कहा कि प्रत्येक माह के एक रविवार को आयोजित किया जा रहे इकतीसा पाठ का आयोजन भरत कुमार गटागट के निवास स्थान पर आयोजित किया गया। संगीत मंडल के राजेन्द्र गुलेच्छा, सनी रांका, नितेश बोहरा ने गुरुदेव के भक्ति गीत और इकतीसा प्रस्तुत किया।

सायला में निशुल्क नेत्र जांच शिविर 21 को

भंडारी परिवार की ओर से आयोजित है शिविर

बेंगलूरु। संघवी सुमटीबाई भबूतमल भंडारी के 101 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सायला(राजस्थान) के बागोड़ा रोड स्थित सुमटीबाई भबूतमल भंडारी सार्वजनिक धर्मशाला में भंडारी परिवार व जिला अंधता निवारण समिति जालोर के संयुक्त तत्वावधान में निशुल्क नेत्र जांच चिकित्सा शिविर का आयोजन 21 दिसम्बर को किया गया है। इस शिविर में कर्नाटक राज्योत्सव पुरस्कार से सम्मानित डॉ नरपत सोलंकी व आदिनाथ फतेह ग्लोबल आई हॉस्पिटल की टीम जरुरतमंदों की आंखों की बीमारियां जैसे मोतियाबिंद, कालापनी, आंखों में मांस बढ़ना आदि की जांच करेगी। आवश्यकतानुसार आंखों की लेंस युक्त निशुल्क शल्य चिकित्सा जालोर स्थित आदिनाथ फतेह ग्लोबल ऑई हॉस्पिटल में की जाएगी।

मणिप्रभ स्वास्थ्य योजना के तहत आयोजित स्त्री रोग जागरुकता शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद् व महिला परिषद् के सहयोग से सागर चन्द्रम्मा अस्पताल के साथ मणिप्रभ स्वास्थ्य योजना श्रृंखला के तहत पंचम निःशुल्क स्त्री रोग जागरूकता, जाँच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य योजना संयोजक पंकज बाफना एवं गौतम कोठारी ने कहा की महिला परिवार की रीढ़ होती है, रोजमर्रा की जिम्मेदारियों के चलते महिलाएं अपने सामने आने वाली बीमारियों को नजरअंदाज कर देती हैं। संयोजक डॉ महावीर गुलेच्छा ने कहा कि इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर मासिक धर्म से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं की रोकथाम पर जानकारी और शिक्षा प्रदान करने का एक शानदार तरीका है।

सागर चंद्रम्मा हॉस्पिटल्स की डॉ. वीना यारागट्टी ने कहा कि मासिक धर्म संबंधी विकार एक महिला के जीवन की गुणवत्ता पर बड़ा प्रभाव डाल सकते हैं। महिला परिषद की अध्यक्ष रीता पारख एवं सचिव आरती जैन ने मासिक धर्म के संबंध में किशोर लड़कियों के बीच जागरूकता की आवश्यकता पर जोर दिया।

इस शिविर में सागर चंद्रम्मा हॉस्पिटल्स के विशेषज्ञ डॉक्टर पैनल से स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. रीतू नरेश, डॉ. सुधा सीपी, डॉ. पावना प्रकाश, डॉ. संध्या और स्तनरोग विशेषज्ञ डॉ. हेमावती राजे शामिल रहे।

ललितादेवी पुखराज पालरेचा द्वारा प्रायोजित इस शिविर में युवा परिषद् के अध्यक्ष भरत रांका ने सभी का सम्मान किया। मंत्री कल्पेश लुंकड़ ने आभार जताया।

महावीर स्वामी वर्षीतप ट्रस्ट का तीर्थ यात्रा संघ 4 जनवरी से

बैग लाभार्थी सांकरिया परिवार ने वितरित किए बैग किट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महावीर स्वामी वर्षीतप चेरिटेबल ट्रस्ट चामराजपेट के तत्वावधान में आयोजित 11 दिवसीय स्पेशल ट्रेन यात्रा संघ का किट वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। बैग किट के लाभार्थी संघवी घेवरचंद, कुशलकुमार, सफ़लकुमार सांकरिया परिवार का संघ की ओर से सम्मान किया गया। संघ के अध्यक्ष महावीर मेहता ने सभी लाभार्थियों का धन्यवाद दिया। ट्रस्ट के मंत्री संतोष चौहान के बताया कि यह यात्रा संघ 4 जनवरी को बेंगलूरु से करीब 1053 यात्रियों को लेकर सम्मेदशिखर, राजगृही, पावापुरी, चम्पापुरी, लछवाड़, कुण्डलपुर, गुणियाजी, ऋजुबालिका, मिथिला, काकंदी आदि महान कल्याणक तीर्थ की यात्रा करेंगे। उपाध्यक्ष गौतम मुथा के कार्यक्रम का संचालन किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष महावीर मेहता, मंत्री संतोष चौहान, उपाध्यक्ष गौतम मुथा, कोषाध्यक्ष गजेंद्र चांदावत, सहकोषाध्यक्ष नरेश बांठिया, भोजन कमेटी किशोर पोरवाल, ट्रस्टी प्रवीण पोरवाल, गौतम पोरवाल, मोहनलाल जीरावला, प्रवीण सोनीगरा, महावीर लुंकड़ आदि उपस्थित थे। सभी कार्यकर्ताओं को ट्रस्ट द्वारा धन्यवाद दिया गया। यह जानकारी कैलाश संखलेचा ने दी।

राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का जश्न मनाने के लिए वॉशिंगटन के उपनगर में कार रैली आयोजित

वॉशिंगटन/भाषा

हिंदू अमेरिकी समुदाय के लोगों ने अयोध्या में राम मंदिर में अगले साल होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह की खुशी में वॉशिंगटन के एक उपनगर में शनिवार को कार रैली का आयोजन किया।

आयोजकों ने बताया कि शनिवार दोपहर समुदाय के लोग ‘फ्रेडरिक सिटी मैरीलैंड’ के पास ‘अयोध्या वे’ में श्री भक्त अंजनेय मंदिर में एकत्र हुए और इस रैली के साथ ही भारत में राम मंदिर के निर्माण की खुशी में महीने भर के कार्यक्रमों की शुरुआत हो गई।

‘विश्व हिंदू परिषद ऑफ अमेरिका डीसी’ इकाई के अध्यक्ष महेंद्र सापा ने कहा, हिंदुओं के 500 वर्ष के संघर्ष के बाद भगवान श्री राम मंदिर का उद्घाटन (मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा) किया जा रहा है और हम इसी खुशी में अगले साल 20 जनवरी को लगभग 1,000 अमेरिकी हिंदू परिवारों के साथ वाशिंगटन में एक ऐतिहासिक उत्सव आयोजित कर रहे हैं। उत्सव में राम लीला आयोजित की जाएगी, श्री राम की कथाएं सुनाई जाएंगी, श्री राम की पूजा की जाएगी, भगवान श्री राम एवं उनके परिवार के लिए भजन गाए जाएंगे।

उन्होंने कहा, इस उत्सव में अलग-अलग आयुवर्ग के लोग भगवान श्री राम के जीवन पर आधारित लगभग 45 मिनट की ऐसी प्रस्तुति देंगे जो अमेरिका में पैदा हुए बच्चों को समझ आ सके।

सह-आयोजक और एक स्थानीय तमिल हिंदू नेता प्रेमकुमार स्वामीनाथन ने तमिल भाषा में भगवान श्री राम की स्तुति की और अमेरिका में 20 जनवरी को आयोजित होने वाले उत्सव में सभी परिवारों को आमंत्रित किया।

दिमाग दुरूस्त रखना है तो सोशल मीडिया से रहें दूर

नई दिल्ली/भाषा। सोशल मीडिया का उपयोग 30 मिनट तक कम करके मानसिक स्वास्थ्य को दुरुस्त करने के साथ ही नौकरी के प्रति संतुष्टि की भावना में सुधार लाने में मदद मिलती है जबकि इसका लगातार उपयोग करने वाले लोगों को अपने काम पर ध्यान लगाने में मुश्किल होती है।

एक नए अध्ययन में यह पाया गया है कि सोशल मीडिया का कम इस्तेमाल करने से उपयोगकर्ताओं को काम का दबाव कम महसूस होता है और उनमें बेचैनी या घबराहट भी कम होती है।

जर्मनी में रुर यूनिवर्सिटी, बोचम और जर्मन सेंटर फॉर मेंटल हेल्थ के अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि सोशल मीडिया से दूरी बनाने से लोगों को अपना काम करने का अधिक वक्त मिलता है और उन्हें ध्यान भटकने की समस्या भी कम होती है।

पत्रिका ‘बिहेवियर एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी’ में प्रकाशित अध्ययन के लेखक जूलिया ब्रेलोव्स्किया ने कहा, जो लोग सोशल मीडिया फीड पर नजर रखने के लिए अपना काम रोक देते हैं, उनके लिए अपने काम पर ध्यान केंद्रित करना और मुश्किल हो जाता है।

अध्ययन के लिए अनुसंधानकर्ताओं ने 166 लोगों को शामिल किया जिनमें से सभी नौकरी करते थे और वे बिना काम के सोशल मीडिया पर हर दिन कम से कम 35 मिनट का वक्त बिताते हैं।

ब्रेलोव्स्किया ने कहा, इतने कम वक्त में भी हमने पाया कि जिन लोगों ने सोशल मीडिया पर हर दिन 30 मिनट से कम वक्त बिताया उनमें मानसिक स्वास्थ्य और नौकरी के प्रति संतुष्टि की भावना में सुधार आया।

स्वागत

कुरुक्षेत्र में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का रविवार को कुरुक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में पहुंचने पर हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने स्वागत किया।

खेर की अगली फिल्म की 90 फीसदी से अधिक शूटिंग उत्तराखंड में होगी

देहरादून/भाषा। प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता अनुपम खेर ने रविवार को कहा कि सैन्य पृष्ठभमि पर आधारित उनकी आगामी फिल्म की 90 फीसदी से अधिक शूटिंग उत्तराखंड में की जाएगी। फिल्म के लिए ‘लोकेशन’ ढूंढने हेतु उत्तराखंड के विभिन्न स्थानों का भ्रमण कर रहे खेर ने उत्तराखंड फिल्म विकास परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बंशीधर तिवारी के साथ बातचीत में यह जानकारी साझा की। खेर ने बताया कि उनकी नई फिल्म की शूटिंग अगले साल अप्रैल से प्रस्तावित है और 90 प्रतिशत से अधिक शूटिंग उत्तराखंड में ही करने की योजना है। उन्होंने कहा कि इस फिल्म की कहानी सैन्य पृष्ठभूमि पर आधारित है जिसके लिए उन्होंने पौड़ी जिले के लैंसडाउन और उसके आसपास के लोकेशन की रेकी की है।

अभिनेता ने उत्तराखंड में फिल्म निर्माण से संबंधित माहौल की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश तेजी से एक लोकप्रिय फिल्म शूटिंग गंतव्य बनता जा रहा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सरकार की फिल्म निर्माण अनुकूल नीतियों से आने वाले समय में उत्तराखंड देश का सर्वश्रेष्ठ शूटिंग गंतव्य बनकर उभरेगा।

तिवारी ने अभिनेता को बताया कि उत्तराखंड की प्रस्तावित फिल्म नीति में नई फिल्म ‘लोकेशन’ को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष प्रावधान किया गया है तथा इसके अलावा उत्तराखंड के कलाकारों और ’क्रू मेंबर’ को शामिल करने पर भी विशेष अनुदान की व्यवस्था की गई है।

उन्होंने बताया कि राज्य में बाहरी फिल्म निर्माताओं के साथ-साथ स्थानीय फिल्म निर्माताओं, कलाकारों तथा तकनीशियनों को विशेष मौके मिलेंगे। उनके अनुसार साथ ही फिल्म नीति में वेब सीरीज,डॉक्युमेंट्री और लघु फिल्मों को भी स्थान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ’थ्री टी’ यानी टैलेंट, टेक्नोलॉजी और ट्रेनिंग, तीनों पक्षों पर मजबूती से काम करने के निर्देश दिए हैं।

सिंगापुर में तस्कर सोना पहुंचाने के लिए हवाई अड्डे पर प्रवासी भारतीय श्रमिकों से कर रहे संपर्क

सिंगापुर/भाषा। सिंगापुर में तस्कर चांगी हवाई अड्डे से स्वदेश जाने के लिए उड़ान भरने वाले भारतीय प्रवासी श्रमिकों को कमीशन के बदले सोना पहुंचाने का काम करने के लिए संपर्क कर रहे हैं। मीडिया की एक खबर में रविवार को यह कहा गया।

‘द स्ट्रेट्स टाइम्स’ की खबर के अनुसार जो यात्री सोना पहुंचाने के काम में रुचि दिखाते हैं, उन्हें हवाई अड्डे में एक शांत स्थान पर ले जाया जाता है, जहां सौदा होता है। बातचीत के दौरान, सामान पहुंचाने वाले को आश्वासन दिया जाता है कि जब वह भारत पहुंचेगा तो गिरोह संचालक उससे सोने के आभूषण वापस ले लेंगे।

सिंगापुर के जेम ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मोहम्मद बिलाल के हवाले से कहा गया है कि सिंगापुर में यात्रियों के लिए सोने सहित कीमती जेवरात को देश से बाहर ले जाना गैरकानूनी नहीं है, लेकिन भारत में तब सोना पहुंचाने वाले कानून तोड़ने का जोखिम उठाते हैं जब वे अपने साथ ले जा रहे सोने की घोषणा नहीं करते हैं।

पुरुष भारतीय नागरिकों को अधिकतम 20 ग्राम शुल्क-मुक्त सोना भारत में ले जाने की अनुमति है। वजन और मूल्य के मामले में महिला भारतीय नागरिकों के लिए सीमा दोगुनी है। इस सीमा से अधिक सोने के आभूषण ले जाने पर सीमा शुल्क का प्रावधान है। बिलाल ने कहा कि ‘कुरियर’ (सामान पहुंचाने वालों) के जरिए सोने की तस्करी का चलन दशकों से है।

खबर में कहा गया है कि चांगी हवाई अड्डे के टर्मिनल-1पर सोने की तस्करी करने वाले चाहते हैं कि ‘कुरियर’ 25 ग्राम से 30 ग्राम सोने के आभूषण ले जाएं, जो कानूनी सीमा से थोड़ा बाहर है। खबर में कहा गया है, सीमा शुल्क अधिकारियों सहित भारतीय अधिकारी सोना पहुंचाने का काम करने वाले यात्रियों के प्रति सचेत हैं।

खाड़ी के साथ-साथ मलेशिया और सिंगापुर सहित एशिया में विभिन्न हवाई अड्डों पर यात्रियों को निशाना बनाने वाले गिरोह की खबरें आई हैं, जहां सोना भारत की तुलना में सस्ता है।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com